प्रभात अर्जुन, हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र
फरीदाबाद, 16 से 30 जून 2016
e-mail : mnewsdaily2008@gmail.com

सैयामी की तारीफ कर रही हैं फरहान की मां

बॉलीवुड की जानी–मानी अभिनेत्री शबाना आजमी ने फिल्म 'मिर्जिया' के ट्रेलर की कुछ झलकियां देखने के बाद सैयामी खेर की तारीफ की है। सैयामी, शबाना आजमी की रिश्तेदार है। वह फिल्म मिर्जिया से बॉलीवुड में अपने कैरियर की शुरूआत कर रही है। फिल्म मिर्जिया का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है। शबाना ने सैयामी के बारे में कहा कि वह अनुभवी कलाकार की तरह आश्वस्त दिख रही हैं। शबाना ने कहा कि फिल्म 'मिर्जिया' की झलकियां आपको फिल्म देखने के लिए प्रेरित करेंगी। सैयामी एक बूंद की तरह ताजा हैं। नया चेहरा? नहीं वह अनुभवी कलाकारों की तरह आश्वस्त लग रही हैं। फिल्म देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। गौरतलब है कि राकेश ओमप्रकाश मेहरा निर्देशित फिल्म 'मिर्जिया' दो प्रेमियों मिर्जा–साहिबा की प्रेम कहानी से प्रेरित है। यह फिल्म सात अक्टूबर को रिलीज होगी।

'तकदुम' में फिर साथ दिखेंगे परिणीति–सुशांत

'शुद्ध देसी रोमांस' में एक साथ नजर आए परिणीति चोपड़ा और सुशांत सिंह राजपूत एकबार फिर होमी अदाजानिया की आगामी फिल्म 'तकदुम' में साथ दिखेंगे। दोनों कलाकारों ने ट्विटर के जरिए इस खबर को अपने प्रशंसकों के साथ साझा किया। परिणीति ने लिखा, ''इसको लेकर काफी उत्साहित हूं। होमी अदाजानिया की 'तकदुम' मेरी अगली फिल्म है , जिसमें एसएसआर -सुशांत सिंह राजपूत- भी हैं।'' सुशांत ने भी फिल्म की कहानी के विषय में एक ट्वीट किया। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा, ''यह एक ऐसी लड़की के बारे में है, जिसकी आखों में आकाश है और एक ऐसा लड़का जिसकी एकमात्र ख्वाहिश उस आकाश को छूने की है।''

मैं कभी डेट पर नहीं गई : प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा हमेशा अपने प्रेम जीवन पर खुलकर बात नहीं करती हैं मगर हॉलीवुड में मिली सफलता से उत्साहित अभिनेत्री ने कहा कि वह कभी अचानक किसी के साथ डेट पर नहीं गई हैं। 'क्वांटिको' की 33 वर्षीय अभिनेत्री ने 'इनस्टाइल' पत्रिका के साथ एक साक्षात्कार में अपने प्रेम जीवन पर बातें की। प्रियंका ने कहा, '' मैं कभी डेट पर नहीं गई । मैं हमेशा संबंध में रही।'' उन्होंने कहा कि किसी के साथ भी अचानक से डेट पर चले जाने की अवधारणा भारत में नहीं है। उन्होंने कहा, '' यह बहुत अलग है। आप किसी का पसंद करते हैं, आप एक दूसरे को रिझाते हैं, आप एक रिश्ते में आते हैं। आप एक दूसरे के प्रति जवाबदेह होते हैं, जबकि डेटिंग की जवाबदेही नहीं होती है। हे भगवान, मैं नहीं जानती हूं कि मैं कभी यह कर पाउंगी।'' प्रियंका का नाम पूर्व में शाहिद कपूर और हरमन बावेजा के साथ जोड़ा गया था।

'मुझे आदमी नहीं, कुत्ता चाहिए'

अभिनेता-निर्माता उदय चोपड़ा के साथ संबंधों की अफवाह को लेकर सुर्खियों में रहीं अभिनेत्री नरगिस फाखरी ने कहा कि उन्हें अपने जीवन में किसी व्यक्ति को पाने की लालसा नहीं है। अभिनेत्री ने ट्विटर पर लिखा, 'मुझे आदमी नहीं, कुत्ता चाहिए।' अभिनेत्री ने यह भी ट्वीट किया, 'जब कुत्ता अपने मालिक को देखता है तो हमारी तरह ही उसका दिमाग भी दौड़ता है कि वह प्यार में है।' बता दें कि नगरिस बड़े पर्दे पर अभिनेता रितेश देशमुख के साथ फिल्म 'बैंजो' में नजर आएंगी।

'ऐ दिल है मुश्किल' को फिल्माने में मजा आया : लिजा हेडन

अभिनेत्री लिजा हेडन ने कहा कि करण जौहर द्वारा निर्देशित आगामी फिल्म ''ऐ दिल है मुश्किल'' में अपनी भूमिका की शूटिंग के दौरान उन्होंने काफी मजे किए। फिल्म में 'क्वीन' की अभिनेत्री का छोटी भूमिका है। इस फिल्म में रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा और एश्वर्या राय बच्चन है।

लिजा ने कहा, '' मैं नहीं जानती हूं कि मुझे कितना कहने की अनुमति है लेकिन यह चरित्र मेरे द्वारा निभाया गया सबसे मजेदार है। हमारे पास जुलाई में शूटिंग करने के लिए दस दिन और बचे हैं। यह वाकई बहुत अनूठा अनुभव रहा।'' 'ऐ दिल है मुश्किल'' एक रोमांटिक ड्रामा है जिसमें फवाद खान भी है। यह फिल्म दीवाली पर रिलीज होनी है। जब उनसे पूछा गया कि क्या रणबीर के साथ स्क्रीन साझा करेंगी तो 30 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा, ''हमारे साथ में दृश्य हैं। मेरा छोटा लेकिन बहुत दिलचस्प किरदार है।''

राष्ट्र की सेवा में समर्पित

प्रभात अर्जुन

वर्ष : 5, अंक : 8
पृष्ठ : 8
वीरवार 16-30 जून 2016
मूल्य : ₹2.00
हिन्दी पाक्षिक

फरीदाबाद

आर.एन.आई. नं.
HARHIN/2012/41589

संपादक
मनोज भारद्वाज

संपादकीय

उप्र में सिर्फ दलित वोटर ही नहीं हैं मायावती की चिंता

स्वास्थ्य जगत : पसीना आना सेहत के लिए फायदेमंद ...

धर्म आस्था : ...आपका ही नहीं आने वाली पीढ़ियों का भी उद्धार करेंगे यह उपाय

संक्षिप्त समाचार

किन नियमों के तहत 21 विधायकों को बनाया संसदीय सचिव

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने आम आदमी पार्टी के 21 विधायकों को संसदीय सचिव (पीएस) बनाने को लेकर दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी को नोटिस भेजा है। इस नोटिस में केजरीवाल सरकार से आयोग ने 11 सवाल पूछे है। आयोग ने पूछा है कि किन नियमों के तहत आप के 21 विधायकों को संसदीय सचिव बनाया गया। आयोग ने इन 21 संसदीय सचिवों के पद सृजित करने से जुड़े आदेश की कॉपी के साथ-साथ सभी संसदीय सचिवों के नियुक्ति पत्र की भी मांग की है। निर्वाचन आयोग लाभ के पद पर बने रहने के चलते अयोग्य करार देने संबंधी याचिका पर संसदीय सचिवों के रूप में नियुक्त आप के 21 विधायकों का पक्ष सुनने की भी तैयारी कर रहा है। आयोग ने दिल्ली सरकार से इन विधायकों को उपलब्ध करायी गयी सुविधाओं तथा उनके कामकाज के बारे में ब्यौरा मांगा है।

बताया जा रहा है कि आप बाकी राज्यों में संसदीय सचिवों की नियुक्ति का मुद्दा उठाने की तैयारी कर रही है।

विधायकों ने सौंपे जवाब

इससे पहले संसदीय सचिव बनाए गए आम आदमी पार्टी के 21 विधायकों ने 8 हजार पन्नों में अपना जवाब चुनाव आयोग को दे दिए हैं। साथ ही आयोग के सामने अलग-अलग पेश होकर अपनी बात रखने की अपील की थी जिसके बाद चुनाव आयोग ने 14 जुलाई से बारी-बारी से सभी विधायकों को सुनवाई का वक्त दिया है लेकिन इससे पहले चुनाव आयोग केजरीवाल सरकार का आधिकारिक स्टैंड जानना चाहता है जिससे फैसले के बाद किसी तरह के विवाद की गुंजाइश न रहे।

कैबिनेट में होगा फेरबदल

नयी दिल्ली। मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मंत्रिपरिषद के साथ मैराथन बैठक कर सभी मंत्रालयों के कामकाज की व्यापक समीक्षा की। बैठक में सभी मंत्रालयों ने अपने 2 साल के कामकाज तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से प्रस्तुति दी। इसमें मंत्रियों ने अपने-अपने मंत्रालयों की विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की भी जानकारी दी। शाम 4 बजे शुरू हुई यह बैठक 4 घंटे से भी अधिक समय तक चली। हालांकि यह बैठक प्रधानमंत्री की नियमित बैठक का ही हिस्सा थी मगर अगले सप्ताह मंत्रिमंडल में होने वाले फेरबदल की अटकलों के बीच इस बैठक को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मोदी को 4 जुलाई को अफ्रीकी देशों की यात्रा पर भी जाना है और इससे पहले ही मंत्रिमंडल में फेरबदल किये जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कैबिनेट में नये मंत्रियों के शामिल होने और कुछ जूनियर मंत्रियों की तरक?की की चर्चा है। संसद के 18 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र को देखते हुए भी मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना प्रबल बतायी जा रही है। सत्र 12 अगस्त तक होगा। प्रधानमंत्री ने कल रात भाजपा अध्यक्ष अमित शाह से मुलाकात की थी जो पार्टी में संगठनात्मक फेरबदल की तैयारियों में लगे हैं। बताया जा रहा है कि कई चेहरे बदल सकते हैं।

रोहतक का पर्यटक ब्यास नदी में बहा

मनाली । स्थानीय वासिष्ठ चौक के निकट ब्यास नदी की तेज धारा में आज रोहतक का एक पर्यटक प्रदीप कुमार (34) बह गया। वह अपने दोस्तों के साथ मनाली घूमने आया था। पुलिस के अनुसार दुर्घटना उस समय हुई, जब वह अपने दोस्तों के साथ नदी में नहा रहा था। युवक विकलांग था और उसकी एक टांग में समस्या थी।अंतिम समाचार तक युवक को ढूंढ़ा नहीं जा सका था।

कोहिनूर की वापसी पर गंभीरता से सोचे केंद्र

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कोहिनूर हीरे को मामले को गंभीर बताते हुए कहा है कि केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर किसी ठोस सुझाव के साथ कोर्ट में आना चाहिए। कोर्ट ने बंगाल हेरिटेज की तरफ से याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। इसके साथ ही कोर्ट ने इस नई याचिका को पहले वाली याचिका के साथ जोड़ दिया। मामले की अगली सुनवाई जुलाई में होगी। बंगाल हेरिटेज की तरफ से कहा गया है कि कोहिनूर हीरे को राजा दिलीप सिंह ने ईस्ट इंडिया कंपनी को गिफ्ट नहीं किया था।

मिड डे मील कर्मचारियों ने घेरा सचिवालय

शिमला। पिछले लम्बे समय से अपनी मांगों को लेकर आन्दोलनरत मिड डे मील वर्कर यूनियन का एक सप्ताह से जारी आन्दोलन आज समाप्त हो गया। मिड डे मील वर्कर यूनियन ने शिमला में पंचायत भवन से सचिवालय तक रैली निकालकर विरोध जताया और सीटू के बैनर तले धरना देकर जोरदार नारेबाजी की। मिड डे मील वर्कर 23 जून से हर दिन सचिवालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे लेकिन अभी तक सरकार से किसी भी तरह का आश्वासन नहीं मिला है। मिड डे मील वर्कर यूनियन का कहना है की सरकार उन्हें 33 रुपये दिहाड़ी दे रही है। यूनियन की मांग है कि मिड डे मील वर्करों को 6000 रुपया महीना दिया जाए, कम बच्चों वाले स्कूलों को भी बंद न किया जाए और वर्करों को राष्ट्रीय बीमा योजना के तहत लाया जाए। यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द गौर नहीं किया गया तो वर्कर आन्दोलन को और तेज करेंगे। यूनियन ने 9 अगस्त को प्रदेश भर में प्रदर्शन करने व 2 सितम्बर को मिड डे मील न बनाने का ऐलान भी किया।

दिल्ली सरकार के खिलाफ युवा कांग्रेस का विरोध मार्च

नयी दिल्ली। दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने चुनाव में किये वादे पूरा नहीं करने के विरोध में आज मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन किया। दिल्ली युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित मालिक के नेतृत्व में हज़ारों युवा कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में दिल्ली विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन के नजदीक एकत्रित होकर मुख्यमंत्री के घर तक मार्च निकाला और प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ हल्की झड़प भी हुई।

फ्लाइट नहीं उड़ी तो चढ़ा वेंकैया का पारा

नयी दिल्ली। एयर इंडिया की एक फ्लाइट मंगलवार को इस वजह से लेट हो गयी कि उसका पायलट ही नहीं पहुंचा था। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री वेंकैया नायडू को भी इसी फ्लाइट से हैदराबाद जाना था। अन्य यात्रियों के तरह वह भी पायलट का इंतजार करते रहे। लेकिन फिर मंत्री जी भड़क गये। उन्होंने कई ट्वीट करके गुस्सा जाहिर किया। उनके ट्वीट ने जहां एयर इंडिया की लेटलतीफी को जगजाहिर किया, वहीं सत्ता के गलियारों में इस चर्चा को हवा दे दी कि एनडीए और टीडीपी में सब कुछ ठीक नहीं है।

विश्व बैंक की भारत को 6700 करोड़ की सौगात

नयी दिल्ली। विश्व बैंक ने भारत की सौर ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने के लिए 6700 करोड़ रुपये (100 करोड़ डॉलर) का फंड देने की घोषणा की है। इसे किसी देश के सौर कार्यक्रम के लिए विश्व बैंक की ओर से अब तक का सबसे बड़ा निवेश कहा जा रहा है। नयी दिल्ली में बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के दौरान विश्वबैंक के अध्यक्ष जिम योंग किम ने भारत के पर्यावरण अनुकूल सतत विकास में सक्रिय और पूर्ण समर्थन देने का वादा भी किया। इसके साथ ही इंटरनेशनल सोलर अलायंस के साथ एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किये गये जिसमें 121 देश शामिल हैं।

इस बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने विश्व बैंक की भारत के विशेष तौर पर स्मार्ट सिटी, गंगा संरक्षण, कौशल विकास, स्वच्छ भारत और सबके लिए बिजली जैसे क्षेत्रों में निरंतर समर्थन पर खुशी जाहिर की। किम ने कहा कि वह इन कार्यक्रमों के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की दिशा में की गयी प्रगति से प्रभावित हैं। मुलकात के बाद जारी बयान में कहा गया कि किम ने प्रधानमंत्री को आश्वस्त किया कि विश्वबैंक इन मुद्दों पर सक्रियता से और पूर्ण समर्थन करेगा। इस मौके पर केन्द्र सरकार और विश्व बैंक ने 4219 करोड़ रुपये (62.5 करोड़ डॉलर) के ग्रिड कनेक्टिड रुफटॉप सोलर प्रोग्राम के लिए समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं। बयान में यह भी बताया गया है कि 20 करोड़ डॉलर का एक सोलर पार्क प्रोजेक्ट भी पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के जरिए बनाने की तैयारी चल रही है।

भारत में है गरीबी से लड़ने की ताकत

योंग किम ने दिल्ली में एक आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों के पोषण कार्यक्रम का जायजा भी लिया। किम ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। जबकि दुनिया के 26 फीसदी गरीब भारत में रहते हैं। भारत में गरीबी को खत्म करने के तमाम अवसर मौजूद हैं और 2030 तक विश्व से गरीबी खत्म करने में भारत दुनिया की अगुआई कर सकता है।

सरकारी कर्मचारियों के हक में खड़ी हुई कांग्रेस

नयी दिल्ली। सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप केन्द्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों के वेतन में की गयी वृद्धि को बेहद निराशजनक करार देते हुए कांग्रेस ने आंदोलन की तैयारी कर रहे केन्द्रीय कर्मियों को अपने समर्थन का खुला ऐलान किया है। पार्टी ने कहा कि यह पहला मौका है जब केन्द्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के वेतन में सबसे कम वृद्धि की है। पार्टी ने भाजपा पर सरकारी कर्मचारियों का विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उसकी अगुवाई वाली सरकार के फैसले से 47 लाख सरकारी कर्मचारियों व 53 लाख पेंशन पाने वालों के साथ अन्याय हुआ है।

कांग्रेस मुख्यालय में बृहस्पतिवार को आयोजित प्रेसवार्ता में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता व दिल्ली में पार्टी के मुखिया अजय माकन ने कहा कि पिछले सात दशकों में केन्द्रीय कर्मचारी आयोग के इतिहास में वर्तमान वेतन आयोग की सिफारिशें सबसे निराशाजनक रही है। इससे केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों, सैनिक बल तथा अर्धसैनिक बलों का निराश होना लाजिमी है।

केजरीवाल ने एसवाईएल पर पंजाब से धोखा किया : सुखबीर

होशियारपुर। पंजाब के उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने कहा है कि शिरोमणि अकाली दल-भाजपा सरकार ने हमेशा ही सारे वर्गों की भलाई को प्राथमिकता दी है और पंजाब वासियों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के साथ साथ शांति तथा भाईचारा कायम रखना सरकार की प्रमुख पहल रही

है। यहां दो दिन के संगत दर्शन प्रोग्राम के पहले दिन पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आम आदमी पार्टी के नेताओं को गुमराह तथा एजेंडा रहित बताते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल ने एसवाईएल के मुद्दे पर पंजाबियों की पीठ में छुरा घोंपा है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने पानी के मुद्दे पर पंजाब आकर पंजाब के किसानों का साथ देने की बात कही तथा दिल्ली जाते ही वादे से मुकर गये। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली के लोग भी खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं क्योंकि केजरीवाल ने उनके साथ बड़े बड़े वादे किए थे लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं किया। कांग्रेस को भी आड़े हाथों लेते हुए सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि पंजाब कांग्रेस प्रधान कैप्टन अमरेंद्र सिंह एक निराश नेता हैं क्योंकि सत्ता प्राप्ति का उसका सपना दो बार 2007 तथा 2012 में बुरी तरह टूट चुका है और 2017 में भी उन्हें करारी हार झेलनी पड़ेगी। उन्होंने कैप्टन अमरेंद्र को चुनौती दी कि मुख्यमंत्री रहते हुए उसने अपने कार्यकाल में एक भी विकास प्रोजेक्ट गिना कर दिखाएं। उन्होंने कांग्रेस-आप को पंजाब विरोधी पार्टी बताते हुए कहा कि इन दोनों पार्टियों ने पंजाबियों को नशेड़ी कह कर

कभी नहीं किया जीएसटी बिल का विरोध : मनप्रीत

जालन्धर। कांग्रेस नेता मनप्रीत बादल ने कहा है कि कांग्रेस ने कभी भी जीएसटी बिल का विरोध नहीं किया अपितु इसे कांग्रेस ही लेकर आई थी लेकिन मौजूदा बिल के दो तीन मुद्दों पर मतभेद है। राहुल गांधी के धरने के 17 दिन बाद कांग्रेस आज यहां एक्शन में दिखी।

इस एक्शन मूव की कमान मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के भतीजे (पूर्व वित्त मंत्री) मनप्रीत बादल के हाथ दिखी। मनप्रीत बादल पंजाब

कांग्रेस की चुनाव घोषणा पत्र कमेटी के संयोजक हैं। इस मौके पर उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री राजेन्द्र कौर भट्ठल भी उपस्थित थीं। मनप्रीत छावनी विधानसभा क्षेत्र के जमशेर में प्रस्तावित सालिड वेस्ट प्लांट को लेकर लोगों की समस्याओं को जानने पहुंचे। गौर हो कि इस प्लांट के प्रति क्षेत्रीय विधायक एवं अकाली दल के नेता परगट सिंह ने भी सरकार के विरुद्ध स्वर मुखर किया हुआ है। मनप्रीत के दौरे के दौरान जालन्धर के विभिन्न व्यापारिक, औद्योगिक एवं सामाजिक संगठनों में कांग्रेस के प्रति उत्साह और मनप्रीत की स्वीकार्यता दिखाई दी और उन्होंने मनप्रीत बादल को अपनी समस्याएं सुनाने के साथ-साथ कांग्रेस सरकार आने पर उद्योग व्यापार के हित में उठाने वाले कदमों के बारे में सुझाव दिए।

हाईवे पर कारों से पहले दौड़ेंगे हवाई जहाज

सोनीपत। महानगरों में बनने वाले एक्सप्रेस-वे और हाईवे अब केवल वाहनों के फर्राटा भरने तक सीमित नहीं रहेंगे। इनका मल्टीपर्पज इस्तेमाल होगा और आपात स्थिति में यहां जेट फाइटर प्लेन उतारा जा सकेगा। पिछले साल नोएडा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर यह ट्रायल करने के बाद अब केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्रालय ने तय किया है कि केजीपी-केपीएम को भी इसी पैटर्न पर तैयार किया जाए। इसके लिए संबंधित कंपनी से करार के समय ही बातचीत कर ली गयी है।

गौरतलब है कि विश्व के विकसित देशों में इसी तकनीक पर सड़कें बनाई जा रही हैं। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान ने भी 2 साल पहले इस तकनीक का इस्तेमाल लाहौर-इस्लामाबाद हाईवे पर किया था। पिछले साल भारत ने नोएडा के यमुना एक्सप्रेस-वे पर जेट फाइटर प्लेन उतार कर ट्रायल पूरा किया था। सरकार ने अब देश के तमाम महानगरों में बनने वाले एक्सप्रेस-वे और हाईवे पर इस योजना को लागू करने का फैसला लिया है। केजीपी पर उतारा जाएगा फाइटर प्लेन

केजीपी और केपीएम पर इस तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। हाईवे अथॉरिटी की योजना है कि केजीपी पर वाहनों की आवाजाही शुरू होने से पहले फाइटर प्लेन को लैंड कराया जाए, ताकि यह आपात स्थिति में हवाई पट्टी के तौर पर इस्तेमाल हो सके। इसके लिए जो नियम तय किये गये हैं, उनके अनुरूप दो से तीन हवाई पट्टी इस एक्सप्रेस-वे पर बनेंगी। यह एक्सिस कंट्रोल हाईवे के तौर पर विकसित होगा। फिलहाल, इस हाईवे पर मिट्टी भराव का कामकाज पूरा हुआ है। संबंधित कंपनी का दावा है कि वह 400 दिनों में इसे पूरा कर लेगी। वहीं केएमपी का काम भी तेजी से चल रहा है और इसका निर्माण एक साल के भीतर पूरा होने की उम्मीद है।

राजन बोले-3 साल का कार्यकाल कम

नयी दिल्ली। आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है कि केंद्रीय बैंक के प्रमुख का कार्यकाल लंबा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर जो चलन है, उसे भारत में भी अपनाया जाना चाहिए। राजन ने अर्थव्यवस्था और बैंकों में एनपीए के विभिन्न आयामों के संबंध में संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति के समक्ष अपनी बात रखी। सूत्रों के अनुसार जब उनसे सदस्यों ने पूछा कि आरबीआई गवर्नर का कार्यकाल कितना होना चाहिए, तो राजन ने कहा कि आरबीआई गवर्नर के लिए तीन साल कार्यकाल छोटा है। जानकारी के मुताबिक राजन ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मिसाल दी।

आतंकी नहीं मांग सकता पैरोल : सुप्रीमकोर्ट

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज फैसला दिया कि आतंकवादी को व्यक्तिगत स्वतंत्रता या मानवाधिकारों का हवाला देते हुए पैरोल या समयपूर्व रिहाई की मांग करने का कोई अधिकार नहीं है। जस्टिस दीपक मिश्रा और शिवा कीर्ति की खंडपीठ ने यह स्पष्टीकरण देते हुए पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें गुजरात सरकार को आजीवन जेल की सजा काट रहे लाल सिंह उर्फ मनजीत सिंह को 3 महीने के लिए पैरोल पर रिहा करने के निर्देश दिये गये थे।

हाई कोर्ट ने 26 जुलाई, 2011 के अपने फैसले में गुजरात सरकार को निर्देश दिया था कि वह दोषी को रिहा न करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करे खासकर इस सच्चाई के बावजूद कि वह 14 साल से अधिक समय से जेल में है। गुजरात सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी।

बीएमडब्लयू कार के शोरूम को नगर निगम ने किया सील

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। फरीदाबाद नगर निगम ने बकाया पड़ी सम्पति कर की राशि को वसूल करने के लिए एक बड़ी कार्यवाही करते हुए आज यहां बी.एम.डब्लयू. कार के शो-रूम को सील कर दिया। प्लाट नं. 1 सेक्टर 27 बी दिल्ली मथुरा रोड़ पर स्थित मैसर्स डोशिए मोटरआन के नाम के इस शो-रूम के विरूद्ध सम्पति कर की एक करोड़ रूपये से अधिक की राशि पिछले काफी समय से बकाया पड़ी हुई है, जो कि बार-बार नोटिस दिये जाने के बावजूद इस कम्पनी के द्वारा जमा नहीं करवाई जा रही थी। इसके इलावा सूरजकुंड रोड़ स्थित राजेन्द्र नाथ फार्म हाउस क ो भी लगभग 3 लाख रूपये की सम्पति कर की राशि जमा न करवाने पर आज सील किया गया। नगर निगम प्रशासन ने सभी बकायेदारों को चेतावनी दी है कि वह अपना बकाया सम्पति कर तुरंत जमा करवा दें अन्यथा उनके संस्थानों के विरूद्ध भी इसी प्रकार की कार्यवाही अम्ल में लाई जायेगी। निग्मायुक्त डा. आदित्य दहिया के निर्देश पर

निगम के फरीदाबाद ओल्ड जोन के संयुक्त आयुक्त अमरदीप जैन के नेतृत्व में आज प्रात~ आठ बजे की गई इस कार्यवाही में निगम के ओल्ड जोन के एलएलओ धनराज सिंह, एलएलओ मुख्यालय रतन लाल रोहिल्ला, निरीक्षक महेन्द्र कुमार, निरीक्षक संजय चपराना, इन्फोर्समेंट विंग के कर्मचारी और भारी पुलिस बल ने भाग लिया। जिलाधीश के आदेशानुसार डयूटी मजिस्टैट का जिम्मा भी श्री जैन ने ही संभाला हुआ था। एलएलओ मुख्यालय रतन लाल रोहिल्ला ने आज यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार व निग्मायुक्त डा. आदित्य दहिया के निर्देश पर नगर निगम ने अपनी कमजोर वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए सम्पति कर मद में बकाया पड़ी करोड़ो रूपये की वसूली के लिए कड़े कदम उठाने शुरू कर दिये हैं, जिसमें सबसे पहले बड़े-बड़े डिफाल्टर्स की सम्पति नीलाम करने, कुर्क करने व सील करने आदि की कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में 890 ऐसे सम्पति कर डिफाल्टर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किये जा रहे हैं, जिनके विरूद्ध एक लाख रूपये या इससे अधिक की राशि बकाया पड़ी हुई है। उन्होंने बताया कि एक ओर निगम की कमजोर वित्तीय स्थिति के कारण न केवल आम जनता को अति आवश्यक जनसुविधायें प्रदान करने में अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वहीं दूसरी ओर बड़े-बड़े डिफाल्टर्स निगम का करोड़ो रूपये का सम्पति कर का भुगतान नहीं कर रहे हैं जिसे व्यापक जनहित में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

भाजपा की सराय मंडल कार्यकारिणी घोषित

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी एक आवश्यक बैठक पल्ला पॉवर हाऊस कालोनी में सम्पन्न हुई जिसमें सराय मण्डल कार्यकारिणी की घोषणा भी की गयी।इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल प्रभारी वजीर सिंह डागर एवं अंजलि राजपूत मुख्य रूप से उपस्थित थे। सराय मण्डल कार्यकारिणी की घोषणा भाजपा जिला सचिव मदन पुजारा एवं मडल अध्यक्ष विरेन्द्र यादव की देखरेख में घोषित की गयी। इस अवसर पर वजीर सिंह डागर व अर्जंलि राजपूत ने भाजपा की नीतियों से उपस्थितजनों को अवगत कराया एवं पार्टी की मजबूती को और अधिक बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा जितनी मजबूत होगी उतने ही हम मजबूत होंगे इसीलिए जनता को भाजपा की नीतियों से अवगत कराये। श्री डागर ने बताया कि आगामी 2 व 3 जुलाई को दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किसान भवन सैक्टर 16 में आयोजित किया जा रहा है जिसमे जिला पदाधिकारियों को आमंत्रित किया। इस अवसर पर जिला सचिव मदन पुजारा व विरेन्द्र यादव ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार में भारतीय जनता पार्टी की सरकार एक समान विकास कार्य हो रहे है और जनता भी खुश है। मदन पुजारा ने कहा कि केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री कृष्णपाल गूर्जर एवं जिला महामंत्री देवेन्द्र चौधरी के नेतृत्व में भी भाजपा आगे की और बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि हम सभी को भाजपा की नीतियों व योजनाओं को जन जन तक पहुंचाना है एवं उनके लाभ भी लोगों को दिलवाने है ताकि जनता को इस बात का अहसास हो कि भाजपा उनके हितों को ध्यान में रखकर योजना बना रही है।

संक्षिप्त समाचार

वरिष्ठ फार्मेसिस्ट एवं समाजसेवी डाक्टर जिले सिंह डागर हुए सेवानिवृत्त

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। बादशाह खान सामान्य अस्पताल के वरिष्ठ फार्मेसिस्ट एवं समाजसेवी डाक्टर जिले सिंह डागर आज

अपनी 37 वर्षो की बेदाग व शानदार सरकारी नौकरी के उपरांत सेवानिवृत्त हो गए। डॉक्टर जिले डागर को जिला सिविल सर्जन डॉक्टर गुलशन अरोड़ा की प्रमुख मौजूदगी में स्वास्थ विभाग के अन्य निकट सहयोगी अधिकारियों व कर्मचारियों ने फेयरवेल पार्टी आयोजित करके भावभीनी विदाई दी। अन्य अधिकारियों में पूर्व सी एम ओ पी एस यादव,वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ सुशील माही, डॉक्टर जयंत आहूजा,डाक्टर राठी ,डॉक्टर रंगा,डॉक्टर अहलावत,डॉक्टर संदीप प्रमुख रुप से शामिल थे।

डॉक्टर जिले सिंह डागर का जन्म 21 जून 1958 को समाज सेवी पिता शोभाराम डागर व माता बोहती देवी के घर गांव झाड़सैंटली गांव में हुआ था ।उनकी 99 वर्षीय माता जी अभी जीवित हैं,जबकि पिता का स्वर्गवास कई वर्षो पूर्व हो चुका है।डॉक्टर जिले सिंह की अन्य 7 भाइयों सहित भरा पूरा परिवार है, उनकी धर्मपत्नी शकुंतला देवी का भी बच्चों की परवरिश व कामयाबी में भरपूर सहयोग रहा है ,उनकी बड़ी बेटी रश्मि द्धड्डद्धह्य डॉक्टर हैं,दूसरी छोटी बेटी रेणु वाईएमसीए फरीदाबाद में लो अधिकारी है, और बेटा राहुल अपना बिजनेस संभालते हैं । डॉक्टर ज़िले सिंह डागर ने बीके अस्पताल में 24 नवंबर 1979 को बतोर फार्मेसिस्ट नौकरी ज्वाइन की थी।वह अपने सहयोग पूर्ण एवं सादे स्वभाव की वजह से विभाग सहित उनके संपर्क मे आने वाले लोगों के भी बीच चहैते बने रहे।अपनी सीट से उठ कर गरीब,जरूरतमंद,दिव्यांग एवं महिला मरीजों के अटके हुए कार्यो को तुरंत हल करवाना डॉक्टर जिले सिंह डागर की प्रमुख पहचान रही है ।देश के किसी भी कोने में कोई प्राकृतिक व अन्य प्रकार की आपदा आने पर अपने सहयोगियों के साथ मिलकर तुरंत सहायता सामग्री भिजवाना भी उनकी दयालुपूर्ण प्रवृत्ति की पहचान रही है । विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने डॉक्टर जिले सिंह व उनके परिवार के सुखद भविष्य की प्रार्थना की।इस मौके पर डॉक्टर जिले सिंह ने बादशाह खान सामान्य अस्पताल परिसर में पौधारोपण भी किया। इस मौके पर उनके साथ उनके परिवार के ईश्वर,सतवीर डागर, ताराचंद डागरविजेंद्र डागर,एडवोकेट भगत सिंह,जितेंद्र,अशोक कुमार, प्रीतम,आकाश व यश डागर भी उपस्थित थे।

17 महिलाओं को सिलाई डिप्लोमा सर्टिफिकेट किए वितरित

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। जरूरतमंद महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने व स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से विगत अक्टूबर में तिगांव रोड़ स्थित साई धाम मंदिर में एक सिलाई सैन्टर का शुभारंभ किया गया था। यह सिलाई सैन्टर रोटरी क्लब फरीदाबाद सैन्ट्रल व साई धाम के सहयोग से शुरू किया गया था। इस सैन्टर में 17 महिलाओं के प्रथम बैच ने छह महीने का डिप्लोमा प्राप्त किया। जिन्हें

आज रोटेरियन जगदीश सहदेव, रोटेरियन किशोर बहल व साई धाम मंदिर के संस्थापक संत मोतीलाल गुप्ता ने डिप्लोमा सर्टीफिकेट वितरित किए। श्री गुप्ता ने बताया कि इस सैन्टर में महिलाओं को सिंगर की मशीनों पर सिलाई सिखाई जा रही है। कुछ डिप्लोमा धारक महिलाओं को रोजगार उपलब्ध हो गया है तथा कुछ ने सिलाई सीखकर अपना व्यवसाय शुरू कर दिया है। श्री गुप्ता ने बताया कि दूसरे बैच में करीबन 47 और महिलाएं व लड़कियां सिलाई सीखने आ रही है जिसको देखते हुए सिंगर की सिलाई मशीनों की संख्या भी बढ़ा दी गई है। इस अवसर पर एमएल मेहता, प्रिंसीपल डा. बीनू शर्मा, मकेन्द्र कुमार, राज किशोर सिंह, ए.के.पिल्लै सहित रोटरी क्लब के सदस्य मौजूद थे।

शहरों की तर्ज पर कर रही है गांवों का विकास : राजेश नागर

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। तिगांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व भाजपा प्रत्याशी राजेश नागर ने कहा है कि भाजपा पार्टी सबका साथ सबका विकास नीति के तहत फरीदाबाद सहित समूचे प्रदेश का चहुंमुखी विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि शहरों की तर्ज पर गांवों में भी लोगों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए प्रदेश सरकार पूरी तरह से कृतसंकल्पित है और गांवों को आधुनिकता से जोडऩे के लिए युद्धस्तर पर प्रयास भी किए जा रहे है। श्री नागर आज गांव भुआपुर में ट्यूबवैल का उद्घाटन करने के उपरांत उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर गांव के सरपंच उम्मेद सिंह सहित गांव की मौजिज सरदारी ने

राजेश नागर का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। भाजपा नेता राजेश नागर ने कहा कि गांव भुआपुर में पिछले काफी समय से पेयजल की समस्या व्याप्त थी, इस ट्यूबवैल के आरंभ होने के बाद पेयजल की समस्या का काफी हद तक निदान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर जहां हरियाणा को विकास के मामले में नंबर वन बनाने के लिए प्रयासरत है वहीं केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर भी फरीदाबाद जिले के समुचित विकास के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार में फरीदाबाद जिला जो फकीराबाद बन गया था, भाजपा सरकार ने इस जिले को उसका खोया हुआ गौरव लौटाने का कार्य किया और इसे फिर से विकास की पटरी पर लगाकर खड़ा किया। उन्होंने लोगों को विश्वास दिलाया कि तिगांव विधानसभा क्षेत्र के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोडी जाएगी और लोगों की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने में कोई कोर कसर बाकि नहीं छोडी जाएगी। इस मौके पर सरपंच उम्मेद सिंह, बाबू समरवीर नागर, कैप्टन बाबू, मेम्बर हंसराज, रिछपाल नागर, पूर्व मेम्बर भुवन, कर्मवीर नागर, बीर सिंह, ब्लाक मेम्बर हरिराम, भीमसिंह नंबरदार, मास्टर ॠषिपाल, जयराज, शिवचरण, कुंवरपाल, अमरजीत सिंह, हरिचंद नागर, धनीराम, सत्ते नागर, रवि नागर, शुगनपाल, कृष्ण सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

दो परियोजनाओं के निर्माण कार्य का सीपीएस ने किया शुभारंभ

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार की मुख्य संसदीय सचिव एवं बडख़ल हलके की विधायक सीमा त्रिखा ने आज अपने क्षेत्र के एनएच-2 व 3 में लगभग 25 लाख रूपए की लागत से तैयार होने वाली दो परियोजनाओं के निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया। इनमें एनएच-3 के ई-ब्लॉक में सात लाख रूपए की लागत से लगने वाले पेयजलापूर्ति के टयूबवैल का निर्माण कार्य तथा एनएच-2 के एफ ब्लॉक में आरएमसी विधि से पक्की सिमेन्टिड होने वाली सडक़ों का निर्माण कार्य शामिल है। ये दोनों विकास कार्य फरीदाबाद नगर निगम द्वारा पूरे किए जायेंगे। इस अवसर पर सीमा त्रिखा ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान केन्द्र व हरियाणा की भाजपा सरकार की अनूठी योजनाओं

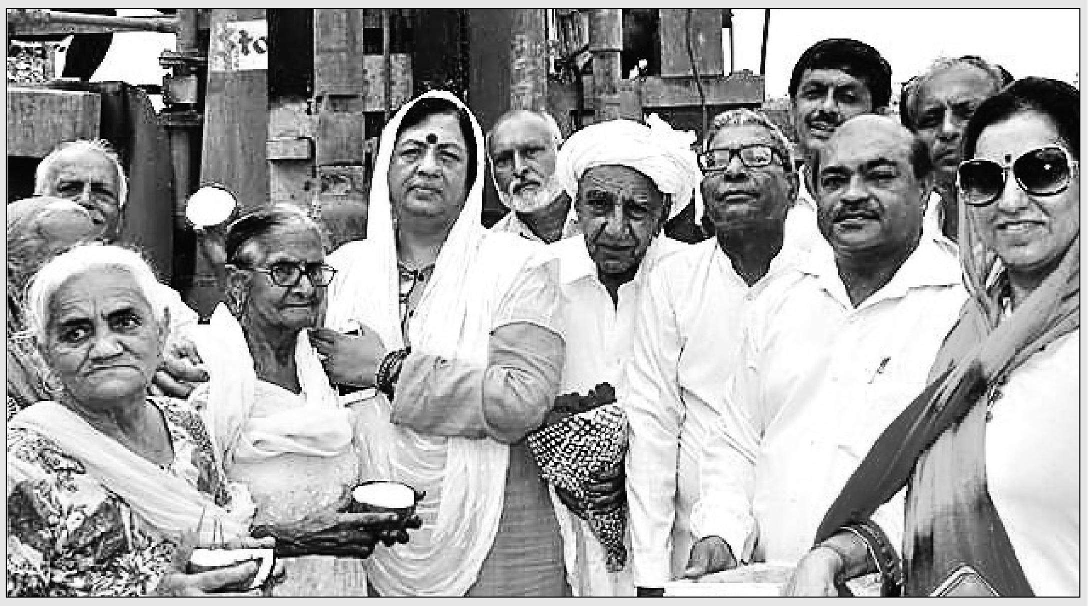

के फलस्वरूप किए जा रहे सर्वांगीण एवं चहुंमुखी विकास से हर तबके के लोगों को लाभ हो रहा है। सभी वर्ग के लोगों की तरक्की सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार सबका साथ -सबका विकास और हरियाणा एक-हरियाणवी एक की सोच पर चल कर सभी क्षेत्रों को एक समान रूप से विकास करने में जुटी है। सरकार सेवन-एस के अन्तर्गत सेवा, सहिष्णुता, संयम, सकारात्मकता, संवेदना, सम्पर्क व सोच को अपना कर भी जन कल्याणकारी कार्य करने में जुटी हुई है। दोनों स्थानों पर लोगों ने सीमा त्रिखा का फूलमालाएं भेंट करके भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा मण्डल अध्यक्ष बिशम्बर भाटिया, आरडबल्यूए नम्बर-3 के प्रधान दीपक भाटिया, आरडबल्यूए से नम्बर-2 के प्रधान भीमसैन के अलावा केवल राम भाटिया, राजकुमार वोहरा, रमन जेटली, यशपाल गुगलानी, राजकुमार भड़ाना, सरदार मनमोहन सिंह, ओमप्रकाश ढींगड़ा, बीएम मदान, पप्पू नागपाल, किशनलाल आहूजा, सरदार जसवंत सिंह व जोगेन्द्र झाम्ब सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

सीबीएसई के डायरेक्टर एफिलिएशन से मिला अभिभावक एकता मंच का प्रतिनिधिमंडल

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के डायरेक्टर ने कहा है कि निजी स्कूलों की फीस वृद्धि, अन्य मनमानियों को रोकने के लिये हरियाणा सरकार पूरी तरह से सक्षम है। निजी स्कूलों को सीबीएसई की मान्यता तभी मिलती है, जब राज्य का शिक्षा विभाग उन्हें एनओसी प्रदान करता है। एनओसी की शर्तो में साफ लिखा होता है कि हरियाणा शिक्षा नियमावली के नियमों का उल्लंघन सही पाये जाने पर एनओसी वापिस ले ली जायेगी। ऐसी हालत में स्कूलों को दी गई सीबीएसई की मान्यता स्वत~ ही समाप्त हो जायेगी। यह बातें डायरेक्टर एफिलिएशन ने हरियाणा अभिभावक एकता मंच के प्रतिनिधि मंडल को उस समय कही जब मंच का एक प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को उनसे मिला। मंच के जिला अध्यक्ष एडवोकेट शिवकुमार जोशी ने प्रेस को जारी बयान ने बताया कि सीबीएसई के बुलावे पर मंच का एक प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा के नेतृत्व में जिला सचिव गुडग़ांव रामफल श्योराण, जिला सचिव फरीदाबाद, डा मनोज शर्मा, जिला सचिव करनाल नवीन कुमार के साथ चैयरमेन सीबीएसई से मिला। चैयरमेन सीबीएसई ने प्रतिनिधि मंडल से कहा कि वे अपनी मांगों का ज्ञापन और पैरन्टस् एसोसिएशन की सभी शिकायतें डारेक्टर ऐफीलिएशन को देकर उनसे बातचीत करें और अगर वहां समस्या का समाधान न हो तो वे चैयरमेन सीबीएसई से सम्पर्क करें।

ज्ञान के नए मायनों को तलाशेगा डॉ. ओपी भल्ला लर्निंग लाउंज

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। मानव रचना यूनिवर्सिटी (एमआरयू) ने बेहतर शिक्षा व नई सोच के साथ अपने पहले पीएचडी बैच अपने संबंधित क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रेरित कर रहा है। पीएचडी वैज्ञानिकों के 6 महीने के कोर्सवर्क के खत्म होने पर उनके लिए निष्कर्ष समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर उन्हें डॉ. ओ.पी.भल्ला लर्निंग लाउंज का तोहफा दिया गया है। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑनलाइन जरनल्स, रिसर्च की किताबे, चर्चा कक्ष आदि हर सुविधा से लैस डॉ. ओपी भल्ला लर्निंग लाउंज पीएचडी वैज्ञानिकों की नई सोच को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है।

डॉ. ओपी भल्ला लर्निंग लाउंज का उद्घाटन मानव रचना शैक्षणिक संस्थान (एमआरईआई) की मुख्य संरक्षका सत्या भल्ला, मानव रचना शैक्षणिक संस्थान के प्रेसिडेंट डॉ. प्रशांत भल्ला व एमआरईआई के एडवाइजर डॉ. एम.एम.कथूरिया के द्वारा

किया गया। इस मौके पर दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर आनंद प्रकाश, एमआरआईयू के रिसर्च व डॉक्टरल प्रोग्राम के चेयरपर्सन व प्रोफेसर डॉ. एन.के.चड्डा, एमआरईआई के एमडी व एमआरयू के वाइस चांसलर डॉ. संजय श्रीवास्तव, एमआरआईयू के वाइस चासंलर डॉ. एन.सी.वाधवा, एमआरयू के प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर (डॉ.) वीके महना मौजूद रहे।

पीएचडी स्टूडेंट्स के लिए आयोजित किए गए निष्कर्ष समारोह में स्टूडेंट्स ने अपने 6 महीने के सफर के अनुभव को सांझा किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सत्या भल्ला ने कोर्स वर्क पूरा करने पर स्टूडेंट्स को सर्टिफिकेट वितरित किए।

नॉलेज से भरपूर है लर्निंग लाउंज

मानव रचना यूनिवर्सिटी में लॉन्च किया गया डॉ. ओपी भल्ला लर्निंग लाउंज नॉलेज से भरपूर है। लाउंज में स्पेशल लाइब्रेरी, कॉन्फ्रेंस रूम, तकीनीकी रूप में संपूर्ण 10 कंप्यूटर, देश-विदेश के जरनल्स के इलैक्ट्रॉनिक लिंक, हाई टैक चर्चा कक्ष, एलईडी व आरामदायक सोफों की सुविधा है। इन सुविधाओं से इस लाउंज को लैस करने का उद्देश्य रिसर्च वैज्ञानिकों को नई खोजों व नई सोच के लिए सुविधाजनक वातारवरण प्रदान करना है।

समारोह में पीएचडी स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए एमआरईआई की मुख्य संरक्षका श्रीमति सत्या भल्ला ने कहा कि पीएचडी वैज्ञानिक अपनी मेहनत व निष्ठा के साथ काम कर रहे हैं। स्टूडेंट्स अपने बेहतर प्रदर्शन के आधार पर आने वाले समय में कई कीर्तिमान स्थापित करने वाले हैं। इनकी मेहनत को देख ही डॉ. ओपी भल्ला लर्निंग लाउंज का तोहफा इन्हें दिया गया है। उन्होंने बताया कि मानव रचना के फाउंडर चेयरमैन डॉ. ओपी भल्ला स्टूडेंट्स को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर तकनीक के साथ क्वालिटी एजुकेशन देने में विश्वास रखते थे। उनकी इसी सोच के साथ यह लाउंज लॉन्च किया गया है।

वहीं एमआरईआई के प्रेसिडेंट डॉ. प्रशांत भल्ला ने कहा कि यह सभी के लिए गर्व की बात ही कि पीएचडी वैज्ञानिक सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। 6 महीने के कोर्स वर्क के लिए जिस तरह का प्रयास व क्लास में अपनी उपस्थिति दर्ज की है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि कोई भी यूनिवर्सिटी वैश्विक स्तर पर मान्यता अपने क्वालिटी रिसर्च व पब्लिकेशन से प्राप्त करता है। एमआरयू अपने पीएचडी वैज्ञानिकों के माध्यम से ज्ञान के नए पहलुओं को सामने लाने की कोशिश करेगा।

संक्षिप्त समाचार

आईसीएसआई में कैपिटल मार्केट पर सेमीनार का आयोजन

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। आईसीएसआई में कैपिटल मार्केट पर सेमीनार का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि सीएस योगेश गुप्ता,अतिथी सीएस प्रवीण रांका उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यअतिथी ने कंपनी सचिव छात्रों को सम्मानित भी किया। सेक्टर 16 ए स्थित आईसीएसआई इंस्टीटयूट में कैपिटल मार्केट पर

सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार के मुख्यअतिथी सीएस योगेश गुप्ता ने कहा कि कंपनी सचिव के लिए रोजगार के अनगिनत अवसर होते हैं। कंपनी सचिव कोर्स करने के लिए न चिंता करें न ही तनाव में रहें। इसमें ज्यादा खर्च भी नही आता है। डीके भाटिया, एनएसआईसी लिमीटेड के डीजीएम ने अपने संबांधन में कहा कि नए सत्र में अभ्यार्थियों के लिए सीएस के नए अवसर प्रदान किए जाएंगें। जिससे वह सीधे प्रोडेक्शन और सर्विस सेक्टर में बहुत अच्छे अवसर मिल सकते हैं। एनएसआईसी के सहायक प्रबंधक राजकुमार ने छात्रों के लिए आगामी योजनाओं को विस्तारपूर्वक बताया। सेबी की सीएस अंजलि अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि सीएस के लिए बैंकिंग क्षेत्र में भी अच्छे अवसर मिलते हैं। इसके बाद शुरू हुए प्रश्नोत्तर चर्चा में कंपनी सचिव और सीएस छात्र शामिल रहे। सेमीनार में उपस्थित रहने वाले सीएस छात्रों को पीडीपी सर्टिफिकेट दिए गए। सीएस पीसी जैन ने सभी को धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर सीएस वनिता अरोड़ा, अनमोल नकरा, नताशा, माखनलाल, अरविंद कुमार सहित काफी संख्या में सीएस छात्र मौजूद रहे।

नि :शुल्क स्वास्थय जांच शिविर का आयोजन

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। राष्टीय राजमार्ग(मथुरा रोड़) स्थित स्टरलिंग मोर्टस में मेदांता अस्पताल के सौजन्य से स्वास्थ जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मेदांता अस्पताल के अनुभवी डाक्टरों डा.इमरान अकरम(कॉडियोलोजिस्ट), डा.कुलदीप(डेस्पीरेटरी जनरल) व उनकी टीम ने स्टॉफ सदस्यों,सेल्स व मार्किटिंग के लोगों के बीपी, इसीजी,मधुमेह और इको की जांच कर उन्हें जरूरी सलाह के साथ साथ शरीर को निरोगी

रखने के नुस्खे भी बताए। इस अवसर पर वाईस प्रैसीडेंस सर्विस एस.सी डीमरी, बिजनैस हेड अमित सिंह, जीएम सेल्स मनोज निगम, सर्विस मैनेजर विजय श्रीवास्तव, वरिष्ठ लेखाधिकारी संजीव सक्सेना, जीएम रंजन भटटचार्य (एडमिन/एचआर), विशाल कुमार(एडमिन/एचआर), उपासना(एडमिन/एचआर), नितिन (एडमिन/एचआर) मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस शिविर में लगभग 152 लोगों के स्वास्थय की जांच की गई। इस मौके पर एस.सी डीमरी ने कहा कि आज की व्यस्त जिन्दगी में सभी को अपने स्वास्थय का ध्यान आवश्यक रखना चाहिए और समय समय पर शरीर की जांच भी करवानी चाहिए ताकि समय रहते बिमारी का पता चल सके और उसका तुरंत इलाज हो सके। उन्होनें कहा कि मनुष्य को अपने शरीर के प्रति सजग रहना चाहिए शरीर स्वस्थ रहेगा तो बड़ी से बड़ी चुनौती पर विजय पाया जा सकता है। इस अवसर पर कपिल गुप्ता,अमित बंसल,मोनिका पासी,बबीता,शालू,अनिता,अदिति सक्सेना व रेनू इत्यादि लोग उपस्थित थे।

डा. सुरेश अरोड़ा चुने गए आईएमए के नए प्रधान

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। सूर्या ऑर्थो अस्पताल के डायरेक्टर डा. सुरेश अरोड़ा को आईएमए वर्ष 2016-17 का प्रेसीडेंट चुना गया है। होटल डिलाईट में सम्पन्न हुए चुनावों में आईएमए के करीब 600 मेम्बर है, जिनमें से 436 से वोट डाले, इस लिहाज से 80 प्रतिशत मतदान हुआ। प्रधान पद के लिए डा. नरेश जिंदल एवं डा. सुरेश अरोड़ा आमने-सामने थे, जिसमें डा. सुरेश अरोडा को 280 वोट

मिले, जबकि डा. नरेश ड्क्षजदल को मात्र 150 वोट ही मिले, जबकि 6 वोट रद्द हो गए। इस प्रकार श्री अरोड़ा को आईएमए का वर्ष 2016-17 का प्रधान चुन लिया गया। डा. सुरेश के साथ नरेश जिंदल राजीव गुम्बर, संजय टुटेजा, सीके मिश्रा वाईस प्रेसीडेंट चुने गए। चुनाव कमेटी में डा आरसी अरोडा, डा बीके शर्मा, डा अनिल गोयल, डा भटटाचार्य, डा रस्तोगी आदि ने भी हिस्सा लिया। नवनियुक्त आईएमए के प्रधान डा. सुरेश अरोड़ा ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, उसे वह पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निभाते हुए एसो. के सदस्यों के हितों के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत में डा. अरोडा ने बताया कि वह सीई एक्ट न लगाने के लिए कडा विरोध करेंगे। इस एक्ट से छोटे नर्सिंग होमों पर बुरा असर पडता है। यह एक कडा कानून है, जिससे छोटै नर्सिंग होम बंद हो सकते है, ऐसे में गरीब और मध्यमवर्गीय लोग जो बडे अस्पतालों में नहीं जा सकते, इन नर्सिंग होमों में इलाज करवाते है, उनके समक्ष परेशानी पैदा हो जाएगी। उन्होंने बताया कि वह पहले भी विरोध कमेटी के प्रेसीडेंट रहे है। इसके अलावा हरियाणा मेडिकेयर एक्ट सेक्शन 3 सुचारु कराने के लिए वह पुलिस कमिश्रर से मिलेंगे। इस एक्ट के दौरान अगर कोई असामाजिक व्यक्ति अस्पताल में तोडफोड करता है तो उसे तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

‘हिन्दू-मुस्लिम को बांटने का काम कर रही है साम्प्रदायिक ताकतें’

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। तिगांव विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसी विधायक ललित नागर के संयोजन में आज पल्ला-सेहतपुर रोड स्थित तरुण गार्डन में एक विशाल रोजा इफ्तार दावत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रोहतक के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा सहित कई कांग्रेसी विधायक व वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने शिरकत करके सभी मुस्लिम भाईयों को रमजान की मुबारकबाद दी। रोजा इफ्तार दावत में जहां क्षेत्र के रोजेदार मुस्लिम भाईयों ने एक साथ बैठकर अपने रोजे खोले वहीं उनकी सेवा के लिए श्री नागर द्वारा आमंत्रित किए गए तिगांव क्षेत्र के कौने-कौने से आए सैकड़ों की संख्या में उपस्थित हिन्दू भाईयों ने एकजुट होकर अपने हाथों से मुस्लिमों की सेवा करके एकता व प्यार का अनूठा परिचय दिया। इस अवसर पर सांसद दीपेंद्र हुड्डा व विधायक ललित नागर ने कार्यक्रम में मौजूद तिगांव क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सभी 29 मस्जिदों के मौलाना व सदर सहित सभी मुस्लिम समाज

के लोगों को सम्मानपूर्वक टोपी पहनाकर उनका स्वागत किया। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि रमजान के पवित्र अवसर पर हम सभी को नेकी करने का संकल्प लेना चाहिए और हिन्दू-मुस्लिम को बांटने वाली साम्प्रदायिक ताकतों के खिलाफ हम सभी को एकजुट होकर मुकाबला करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि कांग्रेस पार्टी ने सदैव मुस्लिम समाज को मान-सम्मान दिया है और उनके हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर आवाज उठाई है। इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजक विधायक ललित नागर ने कार्यक्रम में मौजूद रोजेदारों को रमजान की मुबारकबाद देते हुए कहा कि रमजान का माह बहुत ही पवित्र होता है, रमजान में रोजा रखने से जायरीनों के अंदर धर्म की राह पर चलने का जज्बा प्राप्त होता है और मानवता व समाज की सेवा की भावना को बढ़ावा मिलता है। श्री नागर ने कहा कि रोजा इफ्तार हिन्दू-मुस्लिम को एक-दूसरे के करीब लाता है और जब कई बिरादरी-समाज के लोग एकत्रित होते है उससे भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है। इस अवसर पर रोजा इफ्तार पार्टी में भारी संख्या में आए सभी मुस्लिम भाईयों का आभार जताते हुए श्री नागर ने कहा कि उन्हें आज बड़ी खुशी हुई है कि उनके विधानसभा क्षेत्र के मुस्लिम व हिन्दू भाई उनके आमंत्रण पर एक साथ इकट्ठे हुए है और उम्मीद करते है कि भविष्य में यह भाईचारा और मजबूत होकर एक नई मिसाल कायम करेगा। इस मौके पर मौलाना अब्दुल मजीद व मौलाना इम्तियाज साहब ने संयुक्त रुप कहा कि रमजान का मुबारक महीना हम सबको नेकियां कमाने का मौका देता है। हमें सच्चे इंसान बनकर अल्लाह की इबादत करनी चाहिए।

रेनीवेल की जलापूर्ति 31 जुलाई तक बढ़ेगी : कृष्णपाल गुर्जर

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। सेक्टर 21-ए के सेंट्रल पार्क में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने एमपी लेड स्कीम से पार्क के जीर्णोधार के लिए 15 लाख रुपए की ग्रांट दी। इस राशि से पार्क में पेड़ पौधों को पानी देने के लिए ट्यूबवैल, फुटपाथ पर टाइलें, पार्क के बाहर इंटरलॉकिंग टाइल आदि लगाई जाएंगी। समारोह में श्री गुर्जर ने कहा कि 31 जुलाई तक क्षेत्र में रेनीवेल परियोजना से जलापूर्ति बढाई जाएगी ताकि लोगों को पानी की समस्या से दो-चार न होना पड़े। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की सराहना करते हुए कहा की देश में विकास की बयार बह रही है। फरीदाबाद का स्मार्ट सिटी की सूची में जुडना़ हमारे लिए गौरव की बात है। इस मौके पर

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित सीपीएस सीमा त्रिखा ने केंद्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों की चर्चा की। इसके अलावा कार्यक्रम में डब्ल्यूसीआरए (21-ए) की टेलीफोन डायरेक्टरी का विमोचन किया गया। इस अवसर पर डब्ल्युसीआरए की उपप्रधान नीतू चतुर्वेदी, आरसी जैन, रीटा सिक्का, सुभाष शर्मा, पद्मश्री डॉ ब्रह्म दत्त, मार्निंग वाकर क्लब के अध्यक्ष इंद्रपाल माटा, प्रेमप्रकाश मित्तल, प्रमोद गुप्ता, सुषमा गुप्ता, युगलकिशोर शर्मा, शुची चौधरी रस्तोगी, गुलशन गुलाटी, योग-शिक्षक राम लाल गुप्ता, एच पी सिंह (रिटायर्ड जज), जीतराम वशिष्ठ, तिलकराज गुलाठी, आर के शर्मा, एनएन माथुर, एके नेहरा, दर्शना गुप्ता, रूपचंद तंवर, राज शेखर राय, दिलीप गुप्ता, अर्जुन भल्ला आदि गणमान्य लोग मौजूद थे।

कांग्रेसियों ने नेत्रहीन बच्चों के बीच मनाया राहुल गांधी का जन्मदिवस

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। कांग्रेस के राष्टीय उपाध्यक्ष राहुल गांधी के 46वें जन्मदिवस को आज जिले के कांग्रेसियों ने सादगीपूर्वक मनाया। इस कड़ी में कांग्रेसियों ने एन.एच.-5 स्थित नव अंध विद्यालय के छात्रों के बीच जाकर केट काटा और उन्हें फल व अन्य सामग्री वितरित कर उनके साथ समय बिताया और श्री गांधी की दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर मुख्य रुप से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं जिला प्रभारी प्रदीप जैलदार, पूर्वमंत्री ए.सी. चौधरी, प्रदेश सचिव सुमित गौड़, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विकास चौधरी, प्रदेश महासचिव राजकुमार तेवतिया, पूर्व विधायक आनंद कौशिक, प्रदेश सचिव दिनेश चंदीला, संगठन सचिव ललित भड़ाना, कांग्रेसी नेता महेंद्र शर्मा, युवा कांग्रेस लोकसभा अध्यक्ष रिंकू चंदीला, सत्यवीर डागर, राजन ओझा, नरेश गोदारा, राकेश भड़ाना, ओमपाल टोंगर, परमजीत सिंह गुलाटी, अतर सिंह, ज्ञानचंद आहुजा, अनीशपाल, राजेश आर्य, डा. अतर सिंह, रतिराम पाहट, विनय भाटी सहित अनेकों कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे। उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कांग्रेसी नेताओं ने संयुक्त रुप से कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की सोच सदैव मैं की बजाए हम की रही है वह सबको साथ लेकर चलते थे। उनके पदचिन्हों पर आज राहुल गांधी चलते हुए गरीब, दबे-कुचले के हितों के लिए संघर्ष कर रहे है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि कांग्रेस पार्टी ने देश के विकास में जो योगदान दिया है, उसे भुलाया नहीं जा सकता है, इसी के चलते राहुल गांधी के जन्मदिन को आज देशभर में पर्व के रुप में मनाया जा रहा है और हरियाणा में युवा दिलों की धडकन राहुल गांधी का जन्मदिवस संकल्प दिवस के रुप में मनाया जा रहा है। इस दौरान हर जिले में हर क्षेत्र में इसी प्रकार के सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करके श्री गांधी की दीर्घायु की कामना की गई।

दिव्यांगजनों को यूडीआईडी प्रोजेक्ट से जोडऩे के लिए उपायुक्त ने ली बैठक

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। सरकार की ओर से सभी दिव्यांगजनों को यूडीआईडी प्रोजैक्ट के अन्तर्गत पहचान-पत्र जारी करने के कार्य को जिले में सफलतापूर्वक एवं शत-प्रतिशत रूप से सिरे चढ़ाने के उद्देश्य से उपायुक्त चन्द्रशेखर ने आज यहां अपने कार्यालय के सभाकक्ष में जिला के सम्बन्धित अधिकारियों की बैठक की। बैठक में फरीदाबाद के एसडीएम महाबीर प्रसाद, नगराधीश सतबीर मान, सिविल सर्जन डा0 गुलशन अरोड़ा, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेन्द्र चौहान तथा जिला समाज कल्याण

अधिकारी एवं इस प्रोजैक्ट की जिला नोडल अधिकारी सुशीला देवी प्रमुख रूप से उपस्थित थे। उपायुक्त ने कहा कि दोनों उपमण्डलों में सम्बन्धित एसडीएम की निगरानी में सभी सम्बन्धित अधिकारी अपने स्तर पर दिव्यांगों की सूचि तैयार करके आगामी 10 जुलाई तक नोडल अधिकारी को उपलब्ध करवा दें ताकि अन्तिम सूचि बनाई जा सके। जिला के सभी दिव्यांगों को सिविल सर्जन कार्यालय के माध्यम से पहचान-पत्र बनाकर दिए जायेंगे। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों की सूचि तैयार करने का प्रारम्भिक कार्य सिविल सर्जन के अलावा दोनों ब्लॉकों के खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारियों तथा महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारियों द्वारा तैयार की जानी है। जिला विज्ञान एवं सूचना अधिकारी द्वारा इसका ऑन-लाइन डाटा तैयार किया जायेगा। उपायुक्त ने इस सम्बन्ध में उक्त सभी सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वैश्विक आन्दोलन सही मायनों में सफलहो गया : अमित शाह

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। योग को समर्पित व उमड़ते जन सैलाब से साबित हो गया है कि योग ऋषि स्वामी रामदेव द्वारा शुरू किया गया यह वैश्विक आन्दोलन सही मायनों में सफ्ल, साकार व चरितार्थ हो गया हैायह उद्गार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने आज अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर स्वामी रामदेव के पावन सान्निध्य में स्थानीय सैक्टर-12 के हुडा ग्राउण्ड में आयोजित जिलास्तरीय विशाल योग एवं ध्यान शिविर को मुख्य रूप में सम्बोधित करते हुए प्रकट किए। इस शिविर में पूर्व अनुमान के अनुसार एक लाख से भी अधिक साधकों द्वारा सामुहिक योगाभ्यास करने के फ्लस्वरूप विश्व रिकार्ड कायम करने में सफ्लता मिली। स्वामी रामदेव, स्वामी अवधेशानन्द व आचार्य बालकृष्ण के

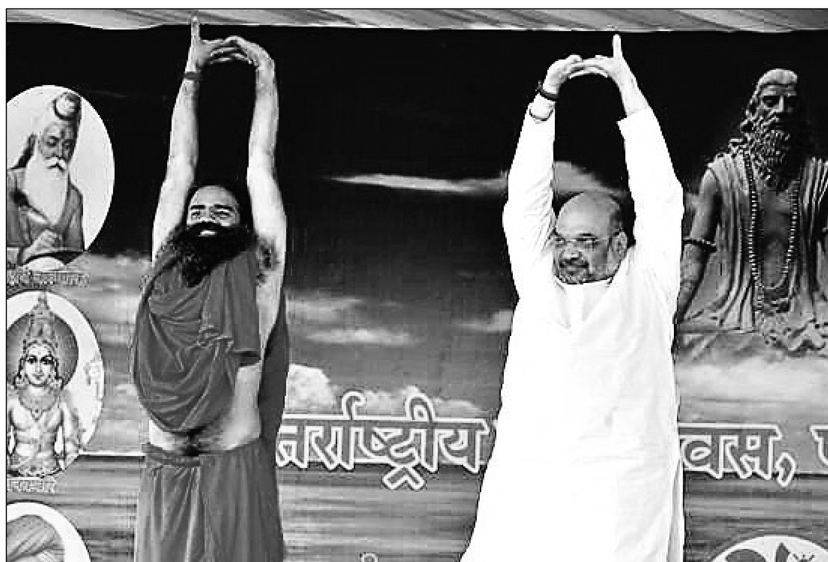

साथ अमित शाह के अलावा प्रमुख रूप से भाजपा के हरियाणा प्रदेश प्रभारी डा0 अनिल जैन, केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर तथा भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के नवनियुक्त सदस्य अवतार सिंह भड़ाना की उपस्थिति मुख्य मंच पर रही। अमित शाह ने कहा कि योग हमेशा से हमारे देश के ऋषि, मुनियों व तपस्वियों की प्राचीन संस्कृति व धरोहर रही है परन्तु आधुनिक युग में लुप्त हो रही इस धरोहर को योगर्षि स्वामी रामदेव ने पुनः शुरू करने की अलख जगाई है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूएनओ में योग के लिए 21 जून को विश्व दिवस मनाने बारे रखे गए प्रस्ताव की सफ्लता से ऐतिहासिक कार्य करके दिखाया जिससे आज पूरे विश्व में भारत के गौरव का गुणगान हो रहा है। श्री शाह ने कहा कि दो वर्ष पूर्व 170 देशों ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी और आज 193 देशों में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योग को अपनाने से विश्व शान्ति बढ़ेगी। डा0 अनिल जैन ने कहा कि स्वामी रामदेव ने योग को पूरे विश्व में जन-जन की आस्था का केन्द्र बनाया है और उनके अथक परिश्रम व प्रयासों के फ्लस्वरूप पूरे भारत में स्वदेशी को अपनाने की लहर चल पड़ी है। श्री शाह ने स्वामी रामदेव की पुस्तक योग विश्वकोष का लोकार्पण भी किया। शिविर में स्वामी रामदेव ने एक लाख से भी अधिक साधकों को अपने चिर-परिचित अन्दाज में अनुलोम-विलोम, कपालभाति, वज्रासन, दीर्घ ओमोच्चारण, वक्रासन, भ्रामरी, शीतली, भुजंगासन, पदमान व प्राणायाम सहित अन्य कई प्रकार के आसनों के गुर सिखाते हुए योगाभ्यास कराया। उन्होंने आसनों के मध्य जनोपदश देते हुए कहा कि योग इन्सान को रोगमुक्त, तनावमुक्त व ज्ञानयुक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि हम राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर और योग को अपना कर जीवन जिएं तो हमारा स्वयं का और राष्ट्र का वैभव स्वतः बढ़ जाएगा। शिविर में आचार्यकुलम हरिद्वार के शिष्यों द्वारा योग की कठिन मुद्राओं का प्रदर्शन आकर्षक ढंग से किया गया। स्वामी रामदेव के कथनानुसार रोहतास कुमार ने पुश-अप में रिकार्ड बनाया। एक साथ नौ साधकों ने सौ मिनट में 1500 से अधिक बार सूर्य नमस्कार करके कीर्तिमान बनाया। सौ मिनट से अधिक तक शीर्षासन करके साधकों ने रिकार्ड कायम किया। इस अवसर पर भारत स्वाभिमान ट्रस्ट एवं पतंजलि योगपीठ से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारी राकेश कुमार, ईश आर्य, डा0 सुमन आचार्या, जयपाल शास्त्री, अंकुर सिंह, दिनेश अग्रवाल व प्रमोद गुप्ता, विधायक मूलचंद शर्मा, विपुल गोयल व नगेनद्र भड़ाना, वरिष्ठ भाजपा नेता संदीप जोशी व नरेन्द्र गुप्ता, भाजपा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट गोपाल शर्मा, उपायुक्त चन्द्रशेखर व पुलिस आयुक्त डा0 हनीफ कुरैशी सहित अनेक अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

उप्र में सिर्फ दलित वोटर ही नहीं हैं मायावती की चिंता

बहुजन समाज पार्टी में मायावती का ही सिक्का चलता है। वह जैसे चाहती हैं सियासी गणित बैठाती हैं। दलित वोटर अब मायावती की अकेली चिंता नहीं रह गये हैं। सिर्फ दलित वोटरों के सहारे जब तक मायावती अपनी सियासत चमकाती रहीं तक तक सत्ता उनके लिये दूर की कौड़ी रही। मान्यवर कांशीराम सामाजिक समरसता के नाम पर दलित वोट बैंक की सियासत करते थे तो मायावती इसमें समय-समय पर ब्राह्मण, अगड़ों-पिछड़ों, मुसलमानों आदि के वोट बैंक का भी तड़का लगाती रहीं

बहुजन समाज पार्टी में मायावती का ही सिक्का चलता है। वह जैसे चाहती हैं सियासी गणित बैठाती हैं। दलित वोटर अब मायावती की अकेली चिंता नहीं रह गये हैं। सिर्फ दलित वोटरों के सहारे जब तक मायावती अपनी सियासत चमकाती रहीं तक तक सत्ता उनके लिये दूर की कौड़ी रही। मान्यवर कांशीराम सामाजिक समरसता के नाम पर दलित वोट बैंक की सियासत करते थे तो मायावती इसमें समय-समय पर ब्राह्मण, अगड़ों-पिछड़ों, मुसलमानों आदि के वोट बैंक का भी तड़का लगाती रहीं। इसे मायावती की मजबूरी भी कहा जा सकता है और सियासी पैंतरेबाजी भी। यह जरूर रहा कि इससे मायावती को फायदा खूब हुआ। 2007 में तो वह सर्वजन हिताय के नारे के सहारे बहुमत वाली सरकार तक बनाने में कामयाब रही थीं। इसीलिये मायावती को कांशीराम की विचारधारा से अलग होने में गुरेज भी नहीं रहा। यह और बात है कि कांशीराम की विचारधारा के लोगों को यह सब रास नहीं आया और उन्हें बाहर का रास्ता देखना पड़ गया।

पिछले दो दशक में कई ऐसे लोग बसपा को अलविदा कह चुके हैं जो कभी कांशीराम के साथ साइकिलों से गांव-गांव घूमकर दलितों में सामाजिक और राजनीतिक चेतना फैलाने का काम किया करते थे, लेकिन मान्यवर कांशीराम के बाद जिस तेजी से बसपा में मायावती का वर्चस्व बढ़ा, उसी तेजी से कांशीराम के पुराने साथी और पार्टी के संस्थापक संगठन से बाहर होते गए। स्वामी प्रसाद मौर्य को क्या मुकाम हासिल होगा, यह तो समय ही बतायेगा लेकिन अतीत तो यही कहता है कि हाथी से उतरने वालों के लिए सियासी अनुभव कड़वे ही रहे हैं। जो हाथी से उतरा उसे अमूमन सियासत में पैदल ही रहना पड़ा। बीएसपी के संस्थापक सदस्यों- राज बहादुर, दीनानाथ भास्कर, आरके चौधरी, डॉक्टर मसूद, शाकिर अली, राशिद अल्वी, जंग बहादुर पटेल, बरखू राम वर्मा, सोने लाल पटेल, राम लखन वर्मा, भगवत पाल, राजाराम पाल, राम खेलावन पासी, कालीचरण सोनकर जैसे कई नाम हैं जो पार्टी से अंदर-बाहर हुए लेकिन रुतबा हासिल नहीं कर सके। सोने लाल पटेल ने जरूर अपनी पार्टी बनाकर थोड़ा बहुत मुकाम हासिल किया। बाकी नेता दूसरे दलों में फिलर की ही भूमिका में रहे। ऐसे में मौर्य के सामने इन नजीरों को बदलने की भी चुनौती होगी।

बसपा छोड़ने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य हों या फिर अन्य नेता सब एक ही सुर में बोलते हुए कहते रहे हैं कि बसपा सुप्रीमो मायावती की पैसों की इच्छा बढ़ गई है। इसीलिये दलितों के मसीहा डॉ. भीमराव अंबेडकर और दलित चिंतक मान्यवर कांशीराम के सिद्धांतों को उन्होंने हाशिये पर डाल दिया है। दलितों व पिछड़ों को इंसाफ दिलाने की बजाय वह दौलतमंदों को फायदा पहुंचाने में जुट गई हैं। इसी के चलते दलितों वोटों का सौदा तक करने से मायावती को परहेज नहीं रह गया है। मायावती पर आरोप यह भी है कि जहां कांशीराम ने समानुपातिक भागीदारी को ध्यान में रखकर नारा दिया थ, %जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी भागीदारी%, वहीं मायावती ने इस नारे को उलट दिया और वह कहने लगीं, %जिसकी जितनी तैयारी, उसकी उतनी भागीदारी।% पुराने बसपाई कहते हैं मायावती ने दलित वोटों का सौदा करने के लिए ही नये नारे को साकार किया था। यह सर्वसंपन्न लोगों को लाभाविन्त करने कि नीति थी। मायावती को बसपा के संस्थापक कांशीराम का %एक वोट-एक नोट% का नारा भी याद नहीं रहा। इसकी बजाये एक अघोषित नारे ने जन्म ले लिया, %जितनी थैली भारी- उसकी उतनी भागीदारी।%

खैर, किसी भी नेता पर आरोप तो लगते ही रहते हैं, बात मौर्य से पहले बसपा छोड़ने वाले नेताओं की कि जाये तो कांशीराम के पुराने साथी दद्दू प्रसाद भी स्थापना के समय से बसपा में थे। लगभग ढाई साल पहले वे भी पार्टी छोड़ गए थे। वर्तमान में वह बहुजन मुक्ति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं। दद्दू कहते हैं, डॉ. अंबेडकर और कांशीराम ने धन आधारित लोकतंत्र को बदलने का काम किया था। इससे दलितों व पिछड़ों को सम्मान दिलाने वाला एक खूबसूरत बगीचा तैयार हुआ था। मायावती अब उस बगीचे को व्यापारियों को बेचकर दलित, पिछड़ों व शोषितों के वोट ही नहीं बेच रहीं, बल्कि इस समाज से छल कर रही हैं।

ठीक इसी प्रकार से कभी अपना दल के संस्थापक सोनेलाल पटेल हर मंच पर कांशीराम के बगलगीर हुआ करते थे, पर मायावती के उभार के बाद बदले हालात में उन्हें भी बसपा को अलविदा कहना पड़ गया। बाद में उन्होंने अपना दल का गठन कर लिया था। इसी तरह जंग बहादुर पटेल भी कांशीराम के करीबियों में हुआ करते थे, लेकिन उम्र के आखिरी पड़ाव पर उन्हें भी बसपा छोड़नी पड़ गई। बरखूराम वर्मा का भी नाम इसी लिस्ट के नेताओं में था। मायावती ने उन्हें पार्टी से बर्खास्त कर दिया था। बात अन्य नामों की कि जाये तो बसपा के संस्थापक सदस्यों में से एक आरके चौधरी बसपा के गठन के बाद पार्टी के अग्रणी नेताओं में शामिल रहे। प्रदेश में बहनजी की सरकार बनी तो वह परिवहन मंत्री बने, लेकिन 2001 में मायावती से अनबन के चलते पार्टी से बाहर हो गए। 2004 में राष्ट्रीय स्वाभिमान पार्टी का गठन किया। 2012 में खुद विधानसभा चुनाव नहीं जीत सके। बाद में बीएसपी में लौट आए और अब फिर बाहर हो गये।

बसपा के प्रारम्भिक दिनों का हिस्सा रहे दिनानाथ भास्कर सपा-बसपा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे थे। मायावती के खिलाफ बगावत कर 1996 में बसपा छोड़कर सपा का दामन थाम लिया था। उस समय भास्कर ने मायावती पर कई आरोप लगाए थे, लेकिन 2009 में वह फिर बसपा में शामिल हो गए थे। इस समय वह भाजपा में हैं। उनकी मानें तो मायावती को यह आशंका सताती रहती है कि कहीं पुराने लोग मिलकर उन्हें कमजोर न कर दें। इसलिए वे किसी को स्थापित नहीं होने देती हैं।

जैसे ही कोई मजबूत होता दिखता है वह उसे पार्टी से निकाल देती हैं। भास्कर के अनुसार सिर्फ वह ही नहीं, कई ऐसे लोग हैं जिन्होंने बसपा के जरिये सामाजिक परिवर्तन का सपना देखा था, पर साहब (कांशीराम) की मृत्यु के बाद मायावती ने मिशन को मनी में तब्दील कर दिया। मिशन वाले अब बसपा में नहीं रहे सकते। अभी और कोई लोग पार्टी छोड़ेंगे। राम लखन वर्मा, भगवत पाल, दयाराम पाल को भी बसपा से बाहर जाना पड़ा।

टांडा के डॉ. मसूद अहमद भी कांशीराम के ही साथी थे। 1985 से 1993 तक बीएसपी के पूर्वी यूपी के प्रभारी रहे व सपा-बीएसपी की साझा सरकार में शिक्षा मंत्री रहे। इसी दौरान बीएसपी से उनका मतभेद हुआ और उन्हें बाहर कर दिया गया। मसूद ने कुछ दिनों तक अपनी पार्टी चलाई। फिर सपा व कांग्रेस में गए लेकिन उसके बाद से कोई चुनाव नहीं जीते। इस समय मसूद राष्ट्रीय लोकदल में हैं। वर्ष 1973 में बामसेफ के माध्यम से राज बहादुर, मान्यवर कांशीराम के साथ जुड़े थे। 1993 में सपा-बसपा सरकार में समाज कल्याण मंत्री बने। बाद में राज बहादुर बागी हो गए और उन्होंने बीएसपी (रा) के नाम से पार्टी बना ली।

सेवा और सौगात

बुधवार को केंद्र सरकार ने सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को हरी झंडी दे दी। इससे स्वाभाविक ही केंद्रीय कर्मियों और पेंशनयाफ्ता लोगों को खुशी हुई होगी। एक नियत अंतराल पर वेतन आयोग का गठन होता रहा है, ताकि कर्मचारियों के वेतन-भत्तों को बदली हुई परिस्थितियों के अनुरूप बनाया जा सके। इसलिए सिफारिशों पर सरकार की मुहर लगना एक तार्किक परिणति ही होती है। न्यायमूर्ति अशोक कुमार माथुर की अध्यक्षता में गठित सातवें वेतन आयोग ने पिछले साल नवंबर में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी थी। यह पहला आयोग था जिसने कार्य-प्रदर्शन के आधार पर केंद्रीय कर्मियों को पुरस्कृत करने या वेतन-वृद्धि के लाभ से वंचित करने का सुझाव दिया। फिलहाल यह साफ नहीं है कि आयोग के ऐसे सुझावों पर सरकार ने क्या तय किया है। बहरहाल, रिपोर्ट सौंपे जाने के समय से ही उस पर सरकार के फैसले का इंतजार किया जा रहा था। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में केंद्रीय कर्मियों के वेतन में करीब पंद्रह फीसद और भत्तों में तिरसठ फीसद बढ़ोतरी की सिफारिश की थी; पेंशन में करीब चौबीस फीसद की। सिफारिशों पर अमल के बाद केंद्रीय कर्मियों को होने वाली प्राप्तियों में कुल बढ़ोतरी करीब चौबीस फीसद होगी। सिफारिशें इस साल एक जनवरी से लागू होनी हैं, यानी सरकार को बढ़ोतरी की राशि का छह महीने का बकाया भी, चाहे एकमुश्त चाहे किस्तों में, देना होगा। जब भी वेतन आयोग की रिपोर्ट आती है, उसे इस नजरिए से भी देखा जाता है कि इसका सरकारी खजाने तथा देश की अर्थव्यवस्था पर कैसा असर पड़ेगा। खासकर इसलिए कि सरकारी खजाने के लिहाज से छठे वेतन आयोग का अनुभव अच्छा नहीं रहा था। वेतन-भत्तों तथा पेंशन में ताजा बढ़ोतरी के फलस्वरूप केंद्र सरकार को सालाना करीब एक लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त भार उठाना होगा। पूर्व सैनिकों को समान रैंक समान पेंशन देने के लिए भी उसे साल में सत्तर हजार करोड़ रुपए अतिरिक्त खर्च करने हैं। सरकार को कम से कम दो साल इसके असर से जूझने में लगेंगे। छठे आयोग ने मूल वेतन में बीस फीसद बढ़ोतरी की सिफारिश की थी, जिसे लागू करते समय तत्कालीन सरकार ने दुगुना कर दिया था। सातवें आयोग की सिफारिशों के फलस्वरूप केंद्र सरकार में अधिकतम वेतन ढाई लाख रुपए और न्यूनतम अठारह हजार रुपए प्रतिमाह होगा। इस तरह केंद्र के कई अफसरों को सांसदों से ज्यादा पैसा मिलेगा। यह सांसदों को शायद ही रास आए। हो सकता है उनकी तरफ से अपने वेतन-भत्तों में एक बार फिर बढ़ोतरी की मांग उठे और उस पर विचार करने को सरकार राजी भी हो जाए। पर क्या अन्य तबकों को अपनी सेवाओं का ऐसा ही लाभ मिल पाता है? सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होने से यह उम्मीद की जा रही है कि घरेलू बाजार में मांग बढ़ेगी। पर महंगाई बढ़ने का भी अंदेशा जताया जा रहा है, जिसमें बढ़ोतरी का रुझान पहले से है।

कभी वंचित की जिन्दगी का एक दिन तो जीकर देखिये

जब चेन्नई में मैंने पहली बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री मोहनराव भागवत जी का यह कथन दोहराया कि %मंदिर, कुआं और श्मशान घाट पर हिन्दू के लिए साझा होना चाहिए% तो काफी सुगबुगाहट हुई। तमिलनाडु में जातिगत वैमनस्य चरम पर है और हिन्दुओं के श्मशान घाट वंचितों के लिए अलग यानी अनुसूचित जातियों के लिए श्मशान और पंडित भी अलग कर दिए गए हैं। बहुतार्थ मंदिरों में उन्हें दर्शन से अब रोका नहीं जाता पर उनके प्रति गहरा भेदभाव तो होता ही है। श्री भागवत के बयान को मैंने कई जगह संत तिरुवल्लुवर की वाणी से जोड़कर कहा तो वहां संघ को %उच्च जाति% वाला मानने वालों को आश्चर्य हुआ। आंबेडकरवादी दल के नेता श्री तोल तिरुमावन मुझसे मिले और सार्वजनिक स्वागत किया। वे बोले कि संघ के प्रमुख ऐसा बयान दे सकते हैं, इसका उन्हें विश्वास ही नहीं था।

कुछ सप्ताह पूर्व उत्तराखंड के जौनसार बावर में एक मंदिर में अनुसूचित जाति के कुछ लोगों के साथ दर्शनार्थ गया तो दर्शन तो हुए पर देवता की डोली में हाथ लगाते ही भड़क उठे तथाकथित स्वार्थों ने जमकर पत्थर मारे। वह स्तब्धकारी, अविश्वसनीय दृश्य था। पढ़े-लिखे सरकारी नौकरियों में लगे लोग अपने ही हिन्दू बंधुओं को पत्थर मार-मारकर सिर्फ इसलिए खत्म करना चाहते थे क्योंकि वे भी देवदर्शन का समान अधिकार मांग रहे थे।

हम रक्त से लहूलुहान भागे- एक गाड़ी चालक के साथ कुछ किमी. गए तो उसने भी डर के मारे रास्ते में उतार दिया। वहां सड़क निर्माण विभाग के मजदूर ने हमें अस्थायी टीन-शेड में छुपाया, सिर पर पट्टी बांधी, शाल ओढ़ाया और कहा- मैं अपने ट्रक ड्राइवर के साथ आपको छुपा कर अस्पताल ले जाऊंगा। पता चला वह मुसलमान था। उमर नाम था उसका।

अस्पताल में जौनसार के कुछ मित्र मिलने आए तो मैंने कहा- यह कैसी विडंबना है- पढ़े लिखे हिन्दू, हिन्दुओं को पत्थर मार मार कर लहुलुहान कर रहे थे और अनपढ़ मुसलमान ने हिफाजत की। जब तक अनुसूचित जाति के लोग देवदर्शन चाहते हैं, ये पत्थर तभी तक तो पड़ेंगे। जब देवदर्शन की इच्छा ही छोड़ दी, ऐसे अहंकारी और मूर्ख हिन्दुओं को छोड़ दूसरा मजहब अपना लिया, उसके बाद किसे पत्थर मारेंगे? हम बाबासाहेब के साथ घटी त्रासदी इतनी जल्दी क्यों भूल गए?

सरकार्यवाह श्री भैयाजी जोशी ने लिखा, आप सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं, हम आपके साथ हैं। आदरणीय रंगा हरि जी ने कोच्चि से कहा- आपके संघर्ष ने स्वयंसेवकों के प्रति विश्वास दृढ़ किया है कि संघ जातिभेद विरुद्ध है। ये शब्द मेरे रक्षा कवच बने।

एक अध्ययन के अनुसार गत पांच वर्षों में बाईस हजार सफाई कर्मचारी सीवर साफ करते हुए, उपर्युक्त उपकरणों के अभाव में जहरीली गैस के कारण मर गए। अभी इस वर्ष 28 जनवरी को चेन्नई के पास एक उन्नीस साल का लड़का सीवर साफ करते हुए मर गया।

गांवों में तो स्थिति यह है कि अनुसूचित जाति के लोगों की बस्ती बाकी गांव से अलग, कुछ बाहर होती है। आज भी नलों या हैण्डपंपों से पानी लेना कठिन होता है जहां से बाकी कथित %सवर्ण% लेते हैं। कभी-कभी हमारे सुधारवादी संत उनके बीच जाते हैं- वह भी खबर बन जाती है क्योंकि अनुसूचित जाति की बस्तियों में साधु-संतों का जाना आमतौर पर नहीं होता।

जाति की दीवार इतनी मजबूत है कि पार्टियों की बाड़ लांघ हम एक हो जाते हैं- वंचित लिखते हैं कि वंचितों पर पत्थर मारना क्यों बाध्यकारी हो गया था। जब चोट लगे तो अनुसूचित जाति के लोगों के साथ खड़े होने में उन्हीं की जाति के नेताओं को भी दस बार सोचना पड़ता है, क्योंकि उन्हें अपनी %प्रगति गाथा% के लिए तथाकथित सवर्णों पर ही निर्भर रहना पड़ता है।

अनुसूचित जाति के मेधावी, तीव्र-कुशाग्र लोगों को प्रायः दूसरा मत क्यों अपनाना पड़ता है? इस परिदृश्य में बाबू जगजीवन राम का उदाहरण एक कीर्ति स्तम्भ की भांति दिग्दर्शक है।

एलओसी और इंटरनेशनल बार्डर पर मौत के साए में जीवन

सीमावर्ती सेक्टर अरनिया के कथार कोठे गांव के रहने वाले 25 साल के विकास कुमार ने कभी सोचा भी था वह आतंकियों की गोली का शिकार हो जाएगा। हाल ही में जब अपने किस्म के पहले आतंकी हमले ने अरनिया सेक्टर को झंझोर कर रख दिया था तो जिन पांच गांववासियों की मौत हो गई थी उनमें विकास कुमार भी था। इसी प्रकार की कथा पल्लांवाला के तीर्थराम की है। 13 साल से सीमाओं पर जारी सीजफायर के बावजूद उसे गोलियों का डर अपने घर से बाहर नहीं निकलने देता है। उसका बेटा कुछ दिन पहले सीजफायर उल्लंघन के बीच चलने वाले मोर्टार हमले का शिकार हो गया था। उसके लिए सीजफायर के कोई मायने नहीं हैं क्योंकि पहले भी उसके यही हाल थे और अब भी।

जैसे हीरानगर के चिनारी गांव के लोगों के हैं जो सीजफायर होने के बावजूद तारबंदी के उस पार स्थित अपने खेतों में इसलिए नहीं जा पा रहे हैं क्योंकि पाक रेंजर अभी भी उन्हें तंग करते हैं। कई बार उनकी पिटाई भी कर चुके हैं। दरअसल जिस गांव में उनके खेत हैं वह विवादित इसलिए हैं क्योंकि पाक रेंजर उसे कब्रिस्तान की भूमि बताते हैं जो 1947 के बंटवारे के समय से ही विवादित चली आ रही है। आतंकी हमलों और सीजफायर के उल्लंघन ने सच में सीमावासियों का जीना हराम किया हुआ है 264 किमी लंबे इंटरनेशनल बार्डर और 798 किमी लंबी एलओसी पर। कहने को तो 26 नवम्बर 2003 की मध्यरात्रि को आरंभ हुआ सीजफायर सीमाओं पर जारी है और अनेकों को खुशियां भी दे रहा है पर अब यह दांव पर है। दांव पर इसलिए है क्योंकि आधिकारिक आंकड़े खुद कहते हैं कि इस साल औसतन हर दूसरे दिन पाक सेना ने गोलियों और मोर्टार के गोलों की बरसात से इसे तोड़ा है।

इंटरनेशन बार्डर और एलओसी के इलाकों में रहने वालों का जीवन कैसा है, मात्र सुनने से ही रौंगटे खड़े हो जाते हैं और जब उनकी बदहाल जिन्दगी को आंखों से देख जाता है तो बयां करने को शब्द ही नहीं मिलते हैं। इटरनेशनल बार्डर और एलओसी पर रहने वालों की हजारों दर्दभरी गाथाएं हैं। ऐसी गाथाएं जिन्हें गाने वाला खून के आंसू रोने को मजबूर हो जाता है। अखिलेश बहल को ही लें। इंटरनेशनल बार्डर से मात्र 200 गज की दूरी पर स्थित अखिलेश बहल के घर की चारदीवारी भी अब उस ओर से आने वाली गोलियों को रोक नहीं पाती हैं। नतीजतन परिवार का एक सदस्य तो सदा के लिए मौत की नींद सो गया है और एक अन्य बेटा मंजीत, जिसका पूरा परिवार आज परेशानी की हालत में है, जम्मू के सरकारी अस्पताल में जिंदगी और मौत की लड़ाई हार चुका है। 'क्या करें, जानवरों को भूखा मरते तो नहीं देख सकते थे और उनके लिए चारे का प्रबंध करना जरूरी था और खेतों में पकी फसलों को भी तो काटना है', अपने बुढ़ापे का सहारा बन चुकी लाठी को टेकता हुआ अखिलेश बहल मंजीत की बेटियों के पास आ खड़ा हो जाता है और अखिलेश बहल के ठीक पीछे पाकिस्तानी सीमांत चौकी का टावर है जो अब खतरे का प्रतीक बन चुका है क्योंकि पाक सैनिक गोलीबारी के लिए उसका इस्तेमाल करने लगे हैं।

78 वर्षीय अखिलेश बहल आज हर दिन नई मौत मरने को मजबूर है। झुकी हुई कमर को उसके परिवार के एक सदस्य की मौत ने और झुका दिया है और हाथों में पकड़ी लाठी को वह अब अपने बुढ़ापे का सहारा समझ रहा है क्योंकि अभी भी उसके परिवार का एक सदस्य, जिसकी कमाई से परिवार को पेट में डालने के लिए निवाला मिला करता था, अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच द्वंद्व को हार चुका है। हालांकि तीन बेटियों तथा एक बेटे के बाप मंजीत का कसूर मात्र इतना था कि वह अपने उन खेतों में कई दिनों से भूखे पशुओं के लिए चारा काटने चला गया था जो सीमा से सटे थे। और जम्मू के इंटरनेशनल बार्डर से सटे सीमांत गांवों में आज यह कथा सिर्फ एक अखिलेश बहल या फिर मंजीत की नहीं है बल्कि प्रत्येक उस घर की कहानी बन चुकी है जिसका कोई न कोई सदस्य या तो पाक गोलीबारी का शिकार हो गया या फिर अभी मौत से जूझ रहा है।

अब तो स्थिति यह हो चली है कि भारतीय सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने भी इन गांवों के लोगों के खेत में जाने की पाबंदी लगानी आरंभ कर दी है क्योंकि वे नहीं चाहते कि कोई गांववासी पाक गोलियों का शिकार हो। वे ऐसा इसलिए भी नहीं चाहते क्योंकि गांव में चिकित्सा सुविधा का साधन भी नहीं है और किसी के घायल होने और मृत होने पर उनकी परेशानियां बढ़ जाती हैं। अक्सर यही हुआ है कि घायलों को समय पर चिकित्सा सहायता न मिल पाने के कारण कई लोग दम तोड़ गए।

जम्मू फ्रंटियर पर जीरो लाइन से सटे भारतीय सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों में से प्रत्येक की आज अपनी-अपनी दुखभरी दास्तान है। किसी की समस्या कुछ है तो किसी की कुछ लेकिन सभी की समस्याओं का निचोड़ यही निकलता है कि उसके लिए पाकिस्तान तथा उसके सैनिक दोषी हैं जिनके कारण इन लोगों को अनेकों संकटों के दौर से गुजरना पड़ रहा है। जो तब तक जारी रह सकते हैं जब तक सीमा का प्रश्न बरकरार है।

पढ़ाई का हर्जा, खेतों में कई दिनों तक न जा पाना, पलायन के लिए हमेशा ही तैयार रहना यह तो उन सभी गांवों में आम समस्या है या यूं कहा जाए कि उन लोगों की जिन्दगी का एक अहम हिस्सा बन चुकी हैं जो सीमा के साथ सटे गांवों में रहते हैं जो आजकल गर्माहट लिए हुए है। हजारों की तादाद में लोग इन गांवों में रहते हैं लेकिन पाकिस्तान की ओर से बढ़ते दबाव के कारण अब वे भी भयभीत होने लगे हैं जिसने अधिकारियों को भी चिंता में डाला है।

पुंछ के बांडी चिचियां की रहने वाली रजिया का नाम अब उन लोगों की सूची में शुमार हो गया है जो आज एलओसी के कई सेक्टरों में जाने पहचाने लगते हैं। इन सबकी एक अलग पहचान है। यह पहचान इसलिए है क्योंकि कोई दाई टांग से अपंग है तो कोई बाई टांग से। जबकि हाथों, बाजुओं और शरीर के अन्य अंगों पर भी गोलियों आदि के निशान लेकर घूमने वालों की भी अपनी ही पहचान है क्योंकि आज वे बारूदी सुरंगों, पाक सैनिकों द्वारा दागे जाने वाले राकेटों और अकारण की जाने वाली गोलियों के शिकार हुए हैं।

इन लोगों के समक्ष आज सबसे बड़ा प्रश्न पेट पालने का है क्योंकि अपंगता ने जीवनभर के वे जख्म भी दिए हैं जिन्हें छुपाया भी नहीं जा सकता और उनसे छुटकारा भी नहीं पाया जा सकता। घायल होने या बारूदी सुरंगों के धमाकों के कारण अपनी टांगें खोने वालों को ठीक उन्हीं लोगों की तरह आरंभ में ही सहायता मिलती है जो सहायता पाक सैनिकों की गोलियों तथा राकेटों से घायल होने वालों को मिलती है और उसके बाद उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया जाता है जिसमें कभी कभार उनकी बैसाखियां भी उनका साथ छोड़ जाती हैं।

'इससे अच्छा होता मौत मिल जाती और इस अपंग जिन्दगी से छुटकारा मिल जाता%, साब्जियां के रहने वाले हुसैन अली का यह कहना था जो बारूदी सुरंगों के धमाके में उस समय अपनी दाई टांग को खो चुका था जब वह आग उगलने वाली एलओसी के साथ सटे अपने खेत में कार्यरत था कि उसका पांव एक बारूदी सुरंग पर चला गया। अन्य लोगों की भी यही दास्तान है। उन सभी ने भी अपनी टांगें उस समय खोई थीं जब वे या तो खेतों में कार्यरत थे या फिर सीमावर्ती खेतों में कहीं जा रहे थे।

सबसे बुरी दशा सीमावर्ती किसानों की है। कारण स्पष्ट है कि आज सीमा पर बुवाई, कटाई और पेट की भरपाई पाकिस्तानी सेना पर ही निर्भर हो चुकी है। अक्सर यही होता है सीमा पर। किसी तरह से अगर सीमा समझौते कह लीजिये या फिर सीजफायर, की आड़ में फसल बो भी ली जाए तो उसे काटने की हिम्मत जुटा पाना सीमांत क्षेत्रों के नागरिकों की बस की बात नहीं होती क्योंकि खेतों में जाने पर गोलियां उनका स्वागत करती हैं। ऐसे में खेतों का क्या होता है अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। फसलें खड़ी खड़ी ही सड़ जाती हैं।

स्थिति यह है कि कभी बुवाई के समय और कभी फसलों की कटाई के समय पाक बंदूकों के मुंह खुलने लगे हैं नतीजतन अगर फसल लग भी जाए तो उसे काट पाना संभव नहीं। परिणाम दोनों ही तरह से पेट की भरपाई प्रभावित होनी है। यही कारण है कि फसलों की बुवाई और कटाई पर जिन किसानों का जीवन निर्भर है उनके पेट की भूख की भरपाई अब पूरी तरह से पाक सैनिकों के रहमो करम पर है। जिनके दिमाग पर युद्ध का साया ऐसा मंडरा रहा है कि वे बस दिन रात गोलियों की बरसात कर उन सभी कदमों को रोक दे रहे हैं जो अपने खेतों की ओर बढ़ते हैं। ये कदम कभी अपनी पेट की भूख शांत करने की खातिर और कभी अपने जानवरों की भूख शांत करने की खातिर खेतों की ओर बढ़ते हैं।

सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान द्वारा 13 सालों से चले आ रहे संघर्ष विराम को बार-बार तोड़ने का परिणाम यह है कि अब सीमांत इलाकों में जिन्दगी और मौत के बीच कोई अंतर भी नहीं रह गया है। अगर मौत पाक गोलीबारी देती है तो पलायन भी जिन्दगी नहीं देता। बस मौत का साम्राज्य है।

स्वात्वाधिकारी (मुद्रक, प्रकाशक, मालिक व सम्पादक) मनोज भारद्वाज द्वारा नीलू प्रींटिंग प्रैस, प्लॉट नं. 3/1, टीसीसी, कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 10 फरीदाबाद-121006 से छपवाकर मुख्य कार्यालय बी 2403 गली नं. 8 25 फुट रोड एसजीएम नगर एन.एच.4 एन.आई.टी फरीदाबाद से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं.-HARHIN/2012/41589
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।

e-mail : mnewsdaily2008@gmail.com

केन्द्रीय मानव विकास संसाधन मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी नई दिल्ली में एक काम देश के नाम 'मोदी एप से बच्चों को जोड़ें' कार्यक्रम में।

गोदामों में पड़ा 'डाका' तो 'चौकीदारों' से होगी वसूली

चंडीगढ़। हरियाणा में अनाज के सरकारी गोदामों पर 'डाका' डालने वाले खबरदार हो जाएं। सरकार ने नुकसान की भरपाई गोदाम के 'चौकीदारों' से करने का फैसला किया है। गोदामों में अनाज भंडारण में बेशक धांधली हो या फिर वह चोरी हो जाए, इसके लिए सब-इंस्पेक्टर से लेकर जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक तक जिम्मेदार होंगे। बेशक, अनाज बारिश में भीगने या अन्य किसी वजह से खराब हो या फिर चूहों की वजह से कम हो जाए, इसकी जवाबदेही भी इन्हीं अधिकारियों की होगी। अनाज में होने वाले नुकसान की भरपाई इन अधिकारियों को अपनी जेब से करनी

होगी। राज्य के खाद्य और आपूर्ति मंत्रालय ने इसके लिए बाकायदा नियम तय कर दिए हैं। सीएम मनोहर लाल खट्टर भी इन्हें मंजूरी दे चुके हैं। सरकार के इस फैसले से खाद्य-आपूर्ति विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। प्रदेश के गोदामों में अनाज चोरी होने, खराब होने व रिकार्ड का मिलान नहीं होने की घटनाओं को देखते हुए मंत्रालय ने यह सख्त कदम उठाया है।

वर्तमान में राज्य में लगभग 50 लाख मीट्रिक टन अनाज के भंडारण की व्यवस्था है। इसे बढ़ाकर एक लाख मीट्रिक टन तक किए जाने का लक्ष्य सरकार ने रखा है। गोदामों में मुख्य रूप से गेहूं व दालें ही रखी जाती हैं। गेहूं का वितरण सार्वजनिक वितरण प्रणाली में भी किया जाता है। कई बार शिकायतें आई हैं कि लोगों को सड़ा हुआ अनाज दिया गया है। जांच हुई तो खुलासा हुआ कि बढ़िया अनाज को मार्केट में बेच दिया गया और सड़ा हुआ अनाज लोगों में बांटा गया।

पिछले दिनों पिहोवा में करोड़ों रुपए के अनाज की हेराफेरी का मामला सामने आ चुका है। इस्माइलाबाद में भी करोड़ों रुपए का अनाज घोटाला पिछले दिनों ही हुआ है। इसी तरह से मतलौड़ा व इसराना में भी कुछ दिन पूर्व ही अनाज की धांधली सामने आई है। रिकार्ड पूरा नहीं होने की सूरत में अनाज को जान-बूझकर पानी में भिगोकर खराब किए जाने के भी कई मामले सामने आ चुके हैं। इन घटनाओं को देखते हुए मंत्रालय ने अब अधिकारियों की ही जिम्मेदारी तय कर दी है। यह जिम्मेदारी फील्ड के अधिकारियों पर इसलिए डाली गई है क्योंकि सरकार का सारा अनाज इन्हीं की देखरेख में होता है। अब किसी भी गोदाम में अगर अनाज कम होता है, चोरी होती है या फिर अनाज खराब होता है तो अनाज की कीमत संबंधित अधिकारियों से वसूली जाएगी।

ऐसे होगी वसूली

अनाज व दाल के गोदामों से अनाज कम होने पर होने वाले नुकसान का 10 प्रतिशत पैसा संबंधित जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक (डीएफएससी) की जेब से लिया जाएगा। कई जगहों पर जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी के पास डीएफएससी का चार्ज है तो उसे भी 10 प्रतिशत नुकसान की भरपाई करनी होगी। जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी 20 प्रतिशत नुकसान के लिए जिम्मेदार होगा। वहीं, विभाग के जिस इंस्पेक्टर के अधीन जो गोदाम होगा जिसमें नुकसान हुआ तो उससे कुल नुकसान का 30 प्रतिशत वसूला जाएगा। 20 प्रतिशत नुकसान की भरपाई सब-इंस्पेक्टर को अपनी जेब से करनी होगी।

सीएमआर के लिए भी अफसर जिम्मेदार

किसानों से खरीद कर मिलर्स को दिए जाने वाले धान के मामले में भी सरकार ने अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर दी है। सीएमआर यानी कस्टमड मिल्ड राइस में धांधली की शिकायतें आती हैं।

संक्षिप्त समाचार

गुस्साये लोगों ने सड़क को किया जाम

महेंद्रगढ़। बिजली-पानी की समस्या को लेकर स्थानीय मोहल्ला खटीकान के निवासियों ने आज लघु सचिवालय के निकट महेन्द्रगढ़-नारनौल स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया। लगभग एक घंटे तक चले इस

जाम की वजह से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतारें लग गयीं। इस जाम में बसों में सवार यात्री भी एक घंटे तक फंसे रहे। प्रभावित मोहल्ला निवासी भंवर सिंह, राजाराम, गुलजारी, कैलाश, बिमला, भतेरी, संतोष आदि ने बताया कि उनके मोहल्ले में पिछले काफी दिनों से पीने के पानी तथा बिजली की गंभीर समस्या बनी हुई है। इन्हीं समस्याओं को लेकर मोहल्ले के नर-नारी संबंधित अधिकारियों से भी कई बार मुलाकात कर चुके हैं मगर उनकी समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। अपनी समस्या का समाधान न होते देख उन्हें आज मजबूरन सड़क पर उतर कर जाम लगाना पड़ा। मौके पर पहुंचे जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि आज से ही उनके मौहल्ले में पेयजल की सप्लाई बढ़ा दी जायेगी तथा उनके मोहल्ले में बंद पड़े बोर को पुन~ चालू करा दिया जायेगा। अधिकारियों के इस आश्वासन पर जाम खोला गया।

प्रिंसिपल पर ठोका 25 हजार रुपये का जुर्माना

गुड़गांव। अपने ही स्कूल के एक अध्यापक को आरटीआई से मांगी सूचना नहीं देना राजकीय उच्च विद्यालय खोड के प्रिंसिपल को भारी पड़ गया। आरटीआई अधिकारी द्वारा पिंसीपल पर 25 हजार रुपये का जुर्माना ठोका है। आदेशों में कहा गया है कि अगर यह पैसा अगस्त माह तक प्रिंसिपल जमा नहीं कराता है तो शिक्षा विभाग उसके वेतन से पैसे काट कर यह पैसा विभाग में जमा कराये। हेलीमंडी निवासी अध्यापक विरेंद्र कुमार ने अपनी एसीआर में गडबड़ी सहित कुछ दूसरी जानकारियों के संबंध में विद्यालय के प्रिंसिपल के पास आरटीआई लगायी थी। आरटीआई लगाने के बाद स्कूल की ओर से मांगे 1600 रुपये भी अध्यापक विरेंद्र कुमार ने स्कूल में जमा करा दिए गए लेकिन एसपीआईओ तथा खोड़ राजकीय उच्च विद्यालय के प्रिंसीपल हौतम प्रकाश ने विरेंद्र कुमार को सूचना समय पर नहीं दी। इतना ही कुछ सवालों के जबाव दिए गये लेकिन उनसे आरटीआई लगाने वाले अध्यापक संतुष्ट नहीं हुए। इसके बाद उन्होंने अपील डाली तत्पश्चात उन पर जुर्माना लगाया गया। यह फैसला राज्य सूचना कमिश्नर सुखबीर सिंह गुलिया ने सुनाया है।

मन्ना हत्याकांड के 3 आरोपी काबू

होशियारपुर। करीब एक माह पहले पंजाब यूनीवर्सिटी के रिज़नल सैंटर में एक पुलिस अधिकारी के बेटे की हुई हत्या के मामले में पुलिस ने आज गांव बीनेवाल के पास मुठभेड़ के बाद एक मुख्य आरोपी सतविंदर सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों से 2 करोड़ रुपए की कीमत की 2 किलो हेरोइन के इलावा भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए। गिरफ्तार मुख्य आरोपी पुलिस को विभिन्न मामलों में वांछित था। तीनों आरोपियों के खिलाफ पंजाब के विभिन्न थानों में दर्जनों संगीन मामले दर्ज हैं। इससे पहले पुलिस 2 अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर चुकी है।

पत्रकारों को यह जानकारी देते हुए जिला पुलिस प्रमुख कुलदीप सिंह चाहल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सतविंदर सिंह उर्फ काला, सतनाम सिंह उर्फ अमला पहलवान, भूपिन्दर सिंह उर्फ सोनू के तौर पर की गई। आरोपियों व उनके वाहन की तलाशी के दौरान लगभग 2 करोड़ की 2 किलो हेरोइन बरामद की गई।

आरोपियों से दो पिस्टल, एक देसी पिस्तौल, एक गन, विभिन्न प्रकार के 12 जीवित कारतूस व 5 चले हुए कारतूस बरामद किए गए।

पैरोल पर बाहर आया था एक आरोपी ~ पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक पूछताछ के दौरान आरोपियों ने मन्ना हत्या कांड में अपना हाथ होने का जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी सतनाम चौधरी पहले भी हत्या के मामले में 20 वर्ष की सजा भुगत रहा था और हाल ही में वह पैरोल पर आया था।

हड़ताली कर्मचारियों और पुलिस में टकराव

जालन्धर। पिछले चार माह से हड़ताल पर बैठे तालमेल कमेटी के सदस्यों और नगर निगम के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई। बुधवार दोपहर तालमेल कमेटी के सदस्य रोज की तरह हड़ताल पर बैठेने के लिए परिसर में पहुंचे तो वहां तैनात पुलिस ने तुरंत गेट बंद करके उन्हें बाहर ही रोक दिया। उन्होंने पुलिस मुलाजिमों से गेट खोलने को कहा लेकिन वे नहीं माने। गेट न खुलने से आग बबूला हुए तालमेल कमेटी के सदस्यों ने मेयर सुनील ज्योति और कमिश्नर गुरप्रीत सिंह खैहरा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विरोधस्वरूप तालमेल कमेटी के सदस्य नगर निगम के दोनों गेटों के बाहर ही धरने पर बैठ गए।

23 फीसदी बढ़ा वेतन

नयी दिल्ली। सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। कर्मचारियों का वेतन 23.5 फीसदी बढ़ेगा। भत्तों में इजाफे पर फैसला 4 महीने बाद लिया जाएगा। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद वित्त मंत्री अरुण जेटली ने बताया कि वेतन आयोग की सिफारिशों को कमोबेश स्वीकार कर लिया गया है। इन्हें एक जनवरी 2016 से लागू किया जाएगा और एरियर का भुगतान इसी साल किया जाएगा। इसके लागू होने से 47 लाख कर्मचारियों और 53 लाख पेंशन भोगियों को फायदा होगा। इस वृद्धि से सरकारी खजाने पर करीब 1.02 लाख करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा।

- न्यूनतम मूल वेतन 7 हजार से बढ़कर 18 हजार रुपये।
- क्लास वन के वेतन की शुरुआत 56100 रुपये से।
- अधिकतम वेतन 90 हजार से बढ़कर 2.50 लाख रुपये।
- न्यूनतम पेंशन 3500 की जगह हुई 9 हजार रुपये।
- आईएएस, आईआरएस और आईपीएस का अब एक जैसा होगा पे-बैंड।
- एक जनवरी 2016 से मिलेगा एरियर।
- हर साल होगी 3 फीसदी बढ़ोतरी।
- ग्रेच्युटी सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये।
- आवास ऋण की सीमा साढ़े 7 लाख से 25 लाख रुपये ।

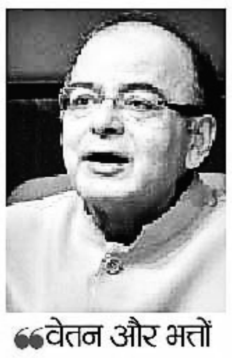

"वेतन और भत्तों में ऐतिहासिक वृद्धि पर कर्मचारियों, और पेंशनभोगियों को बधाई।
- अरुण जेटली

भत्तों पर फैसला 4 महीने में ~ वित्त मंत्री ने कहा कि भत्तों को लेकर कुछ संशय की स्थिति है। इसे दूर करने के लिए सचिवों की एक समिति गठित की जाएगी जो 4 माह में रिपोर्ट देगी। उसकी सिफारिशों के आधार पर इन्हें लागू किया जाएगा। तब तक भत्तों का मौजूदा दर पर भुगतान होगा। वेतनमान की विसंगतियां दूर करने के लिए भी एक समिति का गठन किया जाएगा।

इंक्रीमेंट जनवरी, जुलाई में ~ सालाना वेतन वृद्धि के लिए एक जनवरी और एक जुलाई की तिथि तय की गयी है। पहले यह साल में एक बार जुलाई में होती थी। बढ़ोतरी पहले की तरह मूल वेतन की 3 फीसदी होगी। **यहां कटौती :** इलाज के लिए अग्रिम राशि को छोड़कर अन्य सभी प्रकार की ब्याज मुक्त अग्रिम राशि की सुविधा को खत्म कर दिया गया है।

कर्मचारी नाराज, हड़ताल की चेतावनी

वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करके सरकार भले अपनी पीठ थपथपा रही हो, लेकिन केंद्रीय कर्मचारी यूनियनें नाराज हैं। केंद्रीय कर्मचारियों की 'नेशनल जॉइंट काउंसिल ऑफ एक्शन' के संयोजक शिवगोपाल मिश्रा का कहना है कि आयोग की सिफारिशें ही गलत हैं। पहले 30 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी होती रही है। न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये चाहिये। सरकार ने नहीं सुनी तो 32 लाख कर्मचारी 11 जुलाई से हड़ताल पर जाएंगे। उन्होंने कहा कि सिर्फ 14 फीसदी बढ़ोतरी की गयी है, सभी भत्ते जोड़कर 23 फीसदी की जादूगरी की गयी है। वहीं, कन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट इंप्लॉइज ने 4 जुलाई को हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है।

अवैध पार्किंग पर हाईकोर्ट का कड़ा रुख

शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने शिमला के संजौली कस्बे के ढींगूधार क्षेत्र में सड़क के दोनों किनारों पर अवैध पार्किंग को लेकर रुख कड़ा कर लिया है। हाईकोर्ट की

खंडपीठ ने एक याचिकाकर्ता गौरव शर्मा द्वारा दायर याचिका पर आज सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर इस रोड पर किसी भी अवैध पार्किंग की अनुमति न देने को भी कहा है।

याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि संजौली बाजार से नंबरदार चौक होकर तिब्बती कॉलोनी तक की सड़क मिनी ट्रक चलने के योग्य है लेकिन इस सड़क का कुछ स्थानीय लोगों द्वारा अवैध पार्किंग के रूप में दुरुपयोग किया जा रहा है। याचिकाकर्ता का कहना है कि रात के समय ये समस्या और भी अधिक बढ़ जाती है और यहां से छोटे वाहन निकालना भी लगभग असंभव हो जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में आईसीटी पर आधारित प्रो-एक्टिव प्रशासन और समय पर क्रियान्वयन के लिए मल्टी मॉडल मंच- प्रगति के माध्यम से 13वीं बातचीत की अध्यक्षता करते हुए।

तुर्की में हमला, 41 की मौत

इस्तांबुल। इस्तांबुल के अतातुर्क एयरपोर्ट पर 3 आत्मघाती बम हमलों में 41 लोग मारे गये और 239 घायल हो गये। मरने वालों में 13 विदेशी नागरिक हैं। तुर्की के प्रधानमंत्री बिनाली यिलदिरिम ने संदेह जताया कि यह हमला आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ने किया है। हालांकि किसी ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। यूरोप के सबसे व्यस्त केंद्रों में शामिल इस एयरपोर्ट पर हमला मंगलवार रात करीब 10 बजे हुआ। आत्मघाती हमलावर एक टैक्सी में आये और ऑटोमेटिक राइफलों से यात्रियों पर गोलियां चलाने लगे। इस एयरपोर्ट पर भगदड़ मच गयी। इसी बीच हमलावरों ने खुद को बमों से उड़ा लिया। मारे गये विदेशियों में से 5 सऊदी अरब, 2 इराक और एक-एक ट्यूनीशिया, उज्बेकिस्तान, चीन, ईरान, यूक्रेन और जार्डन से हैं। तुर्की के इस सबसे बड़े शहर में इस साल हुए 4 हमलों में यह सबसे घातक है।

आईएस ने मार्च में मेट्रो स्टेशन और ब्रुसेल्स हवाईअड्डे पर किए थे, जिनमें 32 की मौत हुई थी।

हैरिटेज स्टेटस के लिए दावेदारी

चंडीगढ़। वर्ल्ड हैरिटेज साइट के खिताब के लिए इस बार भारत से चंडीगढ़ के 'द कैपिटल कॉम्पलेक्स' की भी दावेदारी की गयी है।

21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंडीगढ़ के वर्ल्ड हैरिटेज साइट की दौड़ में शामिल द कैपिटल कॉम्पलेक्स से विश्व को योग के जरिए एकता व सम्प्रभुता का संदेश दिया था।

वर्ल्ड हैरिटेज स्टेटस के दावेदारों में भारत सहित अर्जेंटीना,

बेल्जियम, फ्रांस, जर्मनी, स्विट्जरलैंड और जापान भी शामिल हैं। इस्तांबुल में अधिवेशन में चंडीगढ़ प्रशासन के प्रशासक के सलाहकार परिमल राय जायेंगे।

e-mail : mnewsdaily2008@gmail.com

पसीना आना सेहत के लिए फायदेमंद

एक्सपट्र्स के अनुसार पसीना आना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इससे शरीर का तापमान सही रहता है और शरीर से दूशित पदार्थ आसानी से बाहर निकल जाते हैं। साथ ही शरीर कई बीमारियों से बचा रहता है।

पसीना आना शरीर की स्वाभाविक क्रिया

है। हमारे शरीर का सामान्य तापमान 37 डिग्री सेन्टीग्रेड होता है और सारे कार्यो को संपादित करने हेतु शरीर को यह तापमान बना कर रखने की आवश्यकता होती है।

एक शोध के मुताबिक किसी भी कारण से हमारे शरीर के गर्म होने से उसमे मौजूद खून भी ऊष्मा पाकर गर्म हो जाता है और जब यह गर्म खून दिमाग के हाइपोथैलेमस भाग में पहुंचता है तो उसे उत्तेजित कर देता है ।

इसके फलस्वरूप परानुकम्पी तंत्रिकाओं के माध्यम से शरीर के ताप को सामान्य और काबू में रखने वाली क्रियाएं जैसे पसीने का स्वेदग्रंथियों में बनना शुरू हो जाता है, जो शरीर के अलग-अलग हिस्सों में उत्सर्जित होने लगता है।

पसीना स्वेद ग्रंथियों में बनता है,जो हमारे शरीर की त्वचा के नीचे खासतौर पर हाथों की हथेलियों, पैरों के तलवों और सिर की खाल के नीचे होती हैं। ज्यादा पसीना बहने से शरीर में पानी और लवणों की कमी हो जाती है जिससे सिर में दर्द, नींद और कभी-कभी उल्टी भी आने लगती है। अधिक पसीना आने पर कभी-कभी रोगी का शरीर ठंडा पड़ने लगता है और उसकी नाड़ी तथा सांस बहुत तेज हो जाती है। ?से में रोगी को टमाटर के रस में नमक और पानी मिलाकर थोड़ा-थोड़ा पिलाते रहने से लाभ होता है।

कुछ लोगों को पैरों में अधिक पसीना आता है। ?से में पहले पैरों को गर्म पानी में रख लें, फिर ठंडे पानी में रखें और दोनों पैरों को आपस में रगड़ लें। फिर पैरों को बाहर निकालकर किसी कपडे से पौंछ लें। एक हफ्ते तक यह क्रिया लगातार करने से बहुत लाभ होता है।

गर्मियों में पसीने के साथ- साथ शरीर में घमौरी भी निकल आती हैं। इसके लिए नहाते समय एक बाल्टी पानी में गुलाबजल की 20 बूंदें डालकर स्नान करें। रात को 4 चम्मच गुलकंद खाकर ऊपर से गर्म दूध पीने से भी लाभ होता है। हरड़ को बारीक पीस लें। जहां पसीना अधिक आता हो इसको वहां लगा लें और दस मिनट बाद नहा लें। इससे ज्यादा पसीना आना बंद हो जाता है। यदि पसीने में बदबू आती हो तो भोजन में नमक का सेवन कम करना चाहिए।

लोग तनाव की स्थिति में मीठा क्यों खाते हैं?

अगर आप मिठाइयां और चॉकलेट देखकर खुद पर नियंत्रण नहीं रख पाते और तुरंत खाना शुरू कर देते हैं, तो इसमें गलती आपकी नहीं है, इसकी वजह कुछ और भी हो सकती है। ये दावा किया गया है एक नए शोध में।

❍ शोध के अनुसार तनाव के दौरान स्वाद कोशिकाओं को प्रभावित करने वाला हार्मोन ग्लूकोकॉटि-कोयड्स सक्रिय हो जाता है। नैनोफोटोनिक्स जर्नल में प्रकाशित शोध के अनुसार तनाव के कारण भी बहुत अधिक मीठा खाने का मन करता है।

❍ तनाव के हार्मोन मुंह के स्वाद वाली कोशिकाओं में छिपे होते हैं और तनाव की स्थिति में ये न सिर्फ स्वाद को प्रभावित करते हैं, बल्कि मीठा खाने की इच्छा भी पैदा करते हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि जब दिमाग तनाव में होता है तो ग्लूकोकॉर्टिकोयड्स (जीसी) नामक हार्मोन सक्रिय हो जाते हैं।

❍ यह स्वाद की कोशिकाओं को प्रभावित करते हैं, जिससे मीठा खाने की तीव्र इच्छा उठती है। शोध के दौरान चूहों पर परीक्षण किया गया, जिसमें तनाव के दौरान उनके भोजन के प्रति रूझान व स्वाद पर नियंत्रण करने वाली कोशिकाओं का परीक्षण किया।

❍ शोधकर्ता एम. रॉकवेल पार्कर के अनुसार हमने अपने अध्ययन में पाया कि मीठा खाने की इच्छा और तनाव में संबंध है। यही वजह है कि कुछ लोग तनाव की स्थिति में अधिक मीठा खाते हैं।

ग्रीन टी भी हो सकती है नुकसानदेह

ज्यादातर लोग ग्रीन टी को सेहत के लिहाज से काफी फायदेमंद मानते हैं। इसलिए वे दिन भर में कई बार ग्रीन टी की चुस्कियां लेते रहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं ग्रीन टी का ज्यादा सेवन सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

बार अच्छी चीजों को ज्यादा सेवन सेहत बिगाड़ सकता है। दिन भर में पांच से छह कप ग्रीन टी का सेवन परेशानियों को कारण बन सकता है। ग्रीन टी में कैफीन होता है इसलिए इसे ज्यादा पीने से स्लीपींग डिस्आर्डर की समस्या हो सकती है। ग्रीन टी वजन कम करने में सहायक मानी जाती है इसलिए लोगों को लगता है कि ग्रीन टी के ज्यादा पीने से उनका वजन जल्द से जल्द कम हो जाएगा जो कि पूरी तरह से गलत है। ग्रीन टी के ज्यादा सेवन से शरीर पर होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानें।

कैफीन

ग्रीन टी में मौजूद कैफीन इससे होने वाले दुष्प्रभावों का कारण हो सकती है। हालांकि ग्रीन टी में ज्यादा मात्रा में कैफीन नहीं होता है लेकिन एक दिन में ज्यादा ग्रीन टी पीने से बैचेनी, हृदय गति में अनियमितता, अनिद्रा की समस्या, चिंता, चिड़चिड़ापन जैसे लक्षण देखेने को मिल सकते हैं। वे लोग जो कैफीन की ज्यादा मात्रा के आदी नहीं होते हैं उनमें ये लक्षण जल्दी देखे जा सकते हैं। ग्रीन टी की मात्रा कम करके आप इन लक्षणों से बच सकते हैं।

पेट की गड़बड़ी

जब ग्रीन टी को ठीक तरह से गर्म पानी के साथ नहीं मिल पाती है तो पेट की समस्या हो सकती गै। ग्रीन टी बनाते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि ग्रीन टी पानी बिल्कुल उबला हुआ नहीं होना चाहिए नहीं तो जब आप उस गर्म पानी में चाय डालते हैं तो इससे एसिडिटी हो सकती है जो कि पेट की गड़बड़ी व सीने में जलन का कारण बन सकती है।

आयरन की कमी

ग्रीन टी आयरन को अवशोषित करता है जिससे शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। इसलिए जो लोग एनिमीया के शिकार हैं उन्हें ग्रीन टी पीते समय सावधानी बरतनी चाहिए। इस प्रभाव से बचने के लिए आप चाहें तो खाने के बीच में ग्रीन टी ले सकते हैं या उसमें नींबू मिलाकर भी पी सकते हैं।

एलर्जी

कुछ लोगों में ग्रीन टी ज्यादा पीने के कारण कुछ एलर्जी के लक्षण देखे जा सकते हैं। ये लक्षण कुछ इस प्रकार के हो सकते हैं जैसे सांस लेने में तलीफ, चेहरे, होंठ व जीभ में सूजन आना।

प्रेग्नेंसी में फायदेमंद है कॉर्नफ्लेक्स

कॉर्नफ्लेक्स को ब्रेकफास्ट के समय खाने से पेट अच्छे से भर जाता है और भूख मिट जाती है। पोषण विशेषज्ञों के अनुसार प्रेग्नेंसी में कॉर्नफ्लेक्स खाना फायदेमंद है। प्रेग्नेंट महिला की डाइट में बहुत फाइबर होना जरूरी है, इसलिए उन्हें कॉर्नफ्लेक्स खाना चाहिए। हर महिला चाहती है कि प्रेग्नेंसी में बाधा ना आए और बच्चा बिना किसी परेशानी के जन्म ले। इसलिए उसे डाइट का विशेष ध्यान रखना चाहिए। महिला जब प्रेग्नेंट होती है, तो उसके शरीर को कई सारे पोषक तत्वों की आवश्यकता पड़ती है। क्योंकि अब वह अकेली नहीं रहती, जिसे पोषण की जरूरत है, बल्कि उसके गर्भस्थ शिशु को भी पोषण की जरूरत है। पोषण विशेषज्ञों के मुताबिक प्रेग्नेंसी के दौरान कॉर्नफ्लेक्स खाने से फायदा होता है। प्रेग्नेंट महिला की डाइट में बहुत सारा फाइबर होना जरूरी है, इसलिए उन्हें कॉर्नफ्लेक्स जरूर खाना चाहिए।

एक कटोरा कॉर्नफ्लेक्स खाने से आपको 25 ग्राम फाइबर प्रतिदिन मिलता है। अगर आपकी डाइट में बहुत सारा फाइबर होगा तो, आपका ब्लड प्रेशर सामान्य रहेगा और कब्ज की समस्या नहीं होगी। फाइबर, गर्भवती महिला का पेट ठीक रखता है और पेट की अन्य बीमारियां भी नहीं होतीं।

प्रभात अर्जुन, हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र
फरीदाबाद, 16 से 30 जून 2016
e-mail : mnewsdaily2008@gmail.com

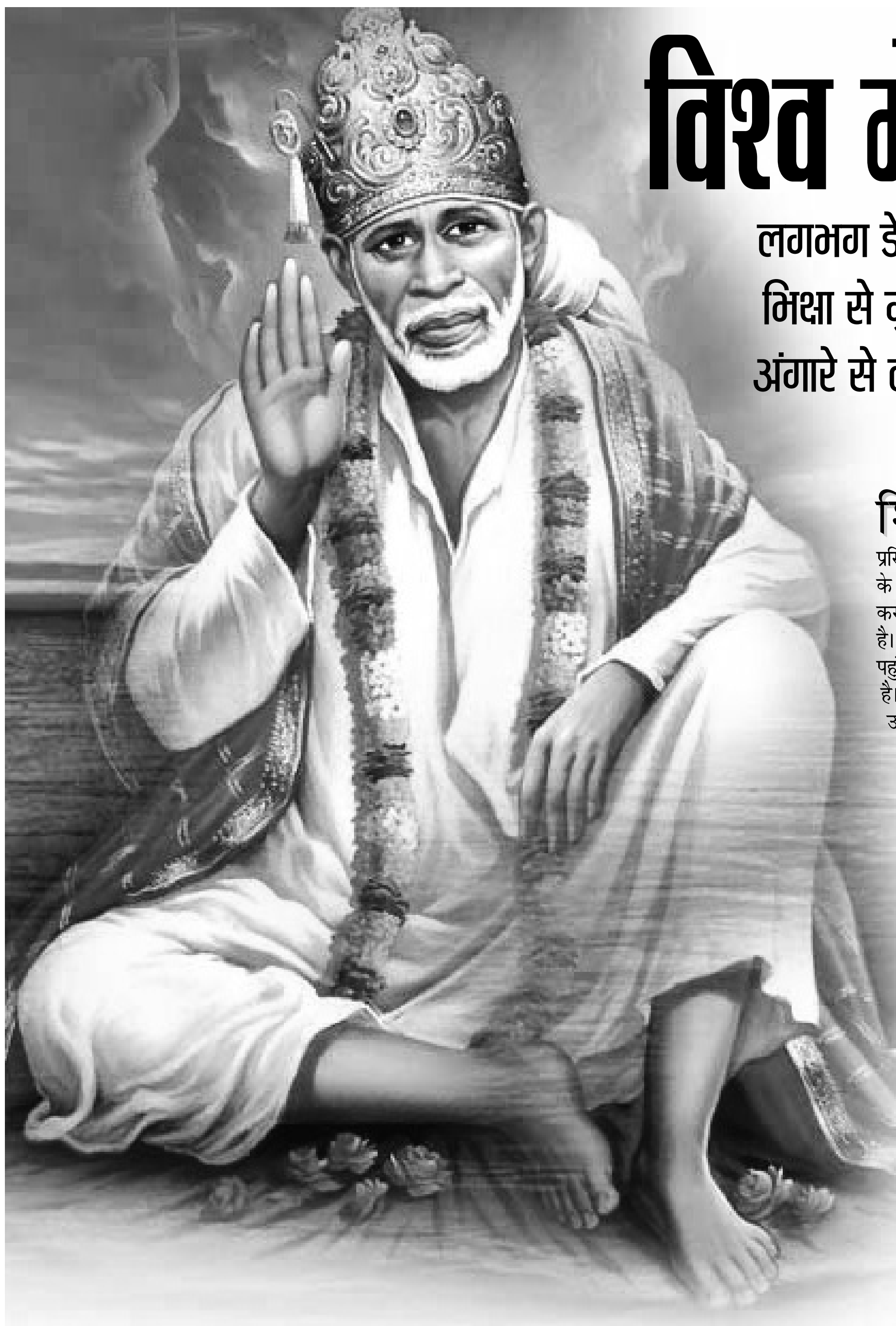

विश्व में प्रसिद्ध है साई बाबा का तीर्थस्थल

लगभग डेढ़ सौ साल पहले एक युवा फकीर शिरडी की खंडहरनुमा मस्जिद में डेरा डालकर चार घरों की भिक्षा से गुजर-बसर करने लगा। लोगों ने उसे 'साई बाबा' के नाम से पुकारा। उसकी दी जड़ी-बूटियों व अंगारे से लोग भले-चंगे होने लगे। इससे लोगों का विश्वास बाबा में बढ़ता गया और साई बाबा का नाम आहिस्ता-आहिस्ता दुनिया भर में फैल गया, जो आज लोगों की श्रद्धा का केंद्र है

शिरडी के साई बाबा (shirdi sai baba) का मंदिर विश्व भर में प्रसिद्ध तीर्थस्थल है। शिरडी अहमदनगर जिले के कोपरगांव तालुका में है। गोदावरी नदी पार करने के पश्चात मार्ग सीधा शिरडी को जाता है। आठ मील चलने पर जब आप नीमगांव पहुंचेंगे तो वहां से शिरडी दृष्टिगोचर होने लगती है। श्री सांईनाथ ने शिरडी में अवतीर्ण होकर उसे पावन बनाया।

श्री साई बाबा की जन्मतिथि, जन्म स्थान और माता-पिता का किसी को भी ज्ञान नहीं है। इस संबंध में बहुत छानबीन की गई। बाबा से तथा अन्य लोगों से भी इस विषय में पूछताछ की गई, परन्तु कोई संतोषप्रद उत्तर अथवा सूत्र हाथ न लग सका। वैसे साई बाबा को कबीर का अवतार भी माना जाता है।

❍बाबा की एकमात्र प्रामाणिक जीवन कथा 'श्री सांई सत्चरित' है जिसे श्री अन्ना साहेब दाभोलकर ने सन 1914 में लिपिबद्ध किया। ऐसा विश्वास किया जाता है कि सन 1835 में महाराष्ट्र के परभणी जिले के पाथरी गांव में साई बाबा का जन्म भुसारी परिवार में हुआ था। (सत्य साई बाबा ने बाबा का जन्म 27 सितंबर 1830 को पाथरी गांव में बताया है।)

❍इसके पश्चात 1854 में वे शिरडी में ग्रामवासियों को एक नीम के पेड़ के नीचे बैठे दिखाई दिए। अनुमान है कि सन 1835 से लेकर 1846 तक पूरे 12 वर्ष तक बाबा अपने पहले गुरु रोशनशाह फकीर के घर रहे। 1846 से 1854 तक बाबा बैंकुशा के आश्रम में रहे।

❍सन 1854 में वे पहली बार नीम के वृक्ष के तले बैठे हुए दिखाई दिए। कुछ समय बाद बाबा शिरडी छोड़कर किसी अज्ञात जगह पर चले गए और चार वर्ष बाद 1858 में लौटकर चांद पाटिल के संबंधी की शादी में बारात के साथ फिर शिरडी आए।

❍इस बार वे खंडोबा के मंदिर के सामने ठहरे थे। इसके बाद के साठ वर्षो 1858 से 1918 तक बाबा शिरडी में अपनी लीलाओं को करते रहे और अंत तक यहीं रहे। ऐसे महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में गोदावरी नदी के तट बड़े ही भाग्यशाली हैं, जिन पर अनेक संतों ने जन्म लिया और अनेक ने वहां आश्रय पाया।

❍आज 'साई बाबा की शिरडी' के नाम से दुनिया भर में जाना जाता है। साई बाबा पर यह विश्वास जाति-धर्म व राज्यों से परे देशों की सीमा लांघ चुका है। यही वजह है कि 'बाबा की शिरडी' में भक्तों का मेला हमेशा लगा रहता है, जिसकी तादाद प्रतिदिन जहां 30 हजार के करीब होती है, वहीं गुरुवार व रविवार को यह संख्या दुगुनी हो जाती है। इसी तरह साई बाबा के प्रति आस्था और विश्वास के चलते रामनवमी, गुरुपूर्णिमा और विजयादशमी पर जहां 2-3 लाख लोग दर्शन को आते हैं, वहीं सालभर में लगभग 1 करोड़ से अधिक भक्त यहां हाजिरी लगा जाते हैं।

❍लगभग डेढ़ सौ साल पहले एक युवा फकीर शिरडी की खंडहरनुमा मस्जिद में डेरा डालकर चार घरों की भिक्षा से गुजर-बसर करने लगा। लोगों ने उसे 'साई बाबा' के नाम से पुकारा। उसकी दी जड़ी-बूटियों व अंगारे से लोग भले-चंगे होने लगे। इससे लोगों का विश्वास बाबा में बढ़ता गया और साई बाबा का ना म आहिस्ता-आहिस्ता दुनिया भर में फैल गया, जो आज लोगों की श्रद्धा का केंद्र है।

❍बाबा के भक्तों में सभी जाति-धर्म-पंथ के लोग शामिल हैं। जहां हिन्दू बाबा के चरणों में हार-फूल चढ़ाते, समाधि पर दूब रख अभिषेक करते हैं, वहीं मुस्लिम बाबा की समाधि पर चादर चढ़ा सब्जा चढ़ाते हैं। कुल मिलाकर बाबा की शिरडी सर्वधर्म समभाव के धार्मिक सहअस्तित्व का महत्वपूर्ण स्थान है, लेकिन यहां आने वाले भक्त तो इन सबके परे केवल मन में उनके प्रति श्रद्धा और विश्वास के चलते खिंचे चले आते हैं।

भविष्य पुराण : आपका ही नहीं आने वाली पीढ़ियों का भी उद्धार करेंगे यह उपाय

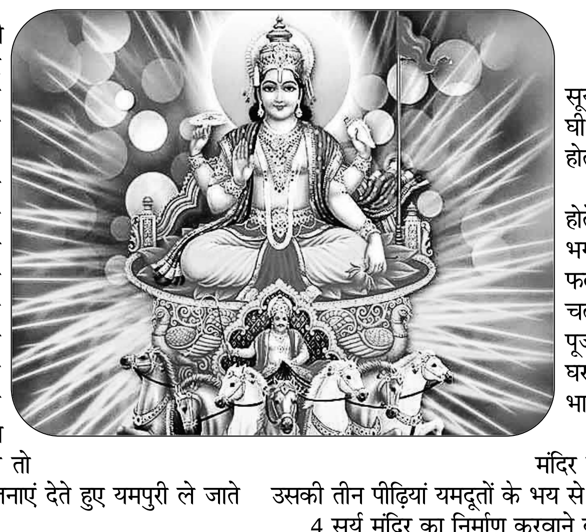

यमराज का नाम सुनते ही प्रत्येक व्यक्ति का अंतर सिहर उठता है क्योंकि हमारे प्राचीन ग्रंथों में उनकी दिल दहला देने वाली छवि का वर्णन मिलता है। माना जाता है कि यम के दूत आंखों से अन्धे और कानों से बहरे होते हैं उन्हें किसी का दुख दर्द न सुनाई देता है और न दिखाई देता है। वो बड़े ही डरावने होते हैं। जब किसी भी व्यक्ति का अंत समय आता है तो उन्हें अपने सामने देख कर वह कांपने लगता है। जब आत्मा अपना समय पूरा होने पर शरीर को त्याग देती है तो यमदूत उसे अनेकों तरह की यातनाएं देते हुए यमपुरी ले जाते हैं।

यमराज के पिता हैं भगवान सूर्य नारायण जिस व्यक्ति को उनकी कृपा प्राप्त हो जाती है वह व्यक्ति यमराज की छत्रछाया में आ जाता है। यम की यातनाओं से बचने के लिए भविष्य पुराण में कुछ उपाय बताए गए हैं जिन्हें अपनाकर आप अपना ही नहीं बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ियों का भी उद्धार कर सकते हैं।

1 प्रतिदिन भगवान सूर्य नारायण को दूध एवं घी चढ़ाने से यम कृपा प्राप्त होती है।

2 प्रतिदिन सूर्य उदय होते ही जिस परिवार में भगवान सूर्य नारायण को फल, फूल, धूप और वस्त्र चढ़ा कर उनका विधिवत पूजन किया जाता है उस घर से यमदूत सदा के लिए भाग जाते हैं।

3 जो जातक सूर्य मंदिर में झाड़ू-पोछा लगाता है उसकी तीन पीढ़ियां यमदूतों के भय से मुक्त रहती हैं।

4 सूर्य मंदिर का निर्माण करवाने वाले व्यक्ति के कुल को यमदूत छू भी नहीं सकते। उस कुल का वास सूर्यलोक में होता है।

5 सूर्य मंत्रों का जाप सरल और सहज माध्यम है यमदूत के भय से मुक्त होने का।

चाणक्य नीति : संसार के चार काम जो कोई किसी को सिखा नहीं सकता

आचार्य चाणक्य की नीतियों पर अमल करके व्यक्ति अपने जीवन को सुखी और सफल बना सकता है। इनकी नीतियों के बल पर सामान्य बालक चंद्रगुप्त को अखंड भारत का सम्राट बनाया गया था और विदेशी शासक सिकंदर से भारत की रक्षा हुई थी। चाणक्य की नीतियां का अनुसरण करके परेशानियों का सरलता से सामना किया जा सकता है। चाणक्य के अनुसार संसार में कुछ कार्य व्यक्ति को सिखाए नहीं जाते अपितु ऐसे गुण उसमें जन्म से ही होते हैं।

दानशीलता

दानशीलता का गुण व्यक्ति के स्वभाव में ही होता है। इसे बढ़ाना या कम करना आसान काम नहीं है। इस प्रकार की आदत व्यक्ति में जन्म से ही होती है। हम किसी के इस गुण को कम या अधिक नहीं कर सकते क्योंकि ये दान-पुण्य का कार्य व्यक्ति अपनी इच्छानुसार करता है।

समय पर उचित या अनुचित निर्णय लेने की योग्यता

जीवन में अलग-अलग परिस्थितियां आती रहती हैं इसलिए किसी को ये नहीं सिखाया जा सकता कि कौन से समय पर कैसा निर्णय लिया जाए। उचित या अनुचित निर्णय व्यक्ति को स्वयं ही लेने पड़ते हैं। ऐसे लोग जो समय रहते सही या गलत फैसले को समझ लें वह जीवन में उन्नति करते हैं। इस प्रकार का गुण व्यक्ति में जन्म से होता है।

धैर्य धारण करना

धैर्यवान व्यक्ति में प्रत्येक विपरीत स्थिति से निकलने की योग्यता होती है। धैर्य से बुरे समय को समाप्त किया जा सकता है। कुछ लोग प्रत्येक कार्य को शीघ्रता से और बिना सोच-विचार किए निर्णय ले लेते हैं फिर उन्हें बाद में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस प्रकार के लोगों को ज्ञान देने से समय ही खराब होता है क्योंकि ये गुण व्यक्ति के स्वभाव में जन्म से होता है।

मीठा बोलना

जो लोग शुरु से ही कड़वा बोलते हैं उन्हें मधुर बोलना नहीं सिखाया जा सकता। ऐसे लोग कुछ समय के लिए ही अपना स्वभाव बदल सकते हैं।

परंतु सदा के लिए नहीं।

हिन्दू धर्म के प्रमुख 7 पवित्र स्थल

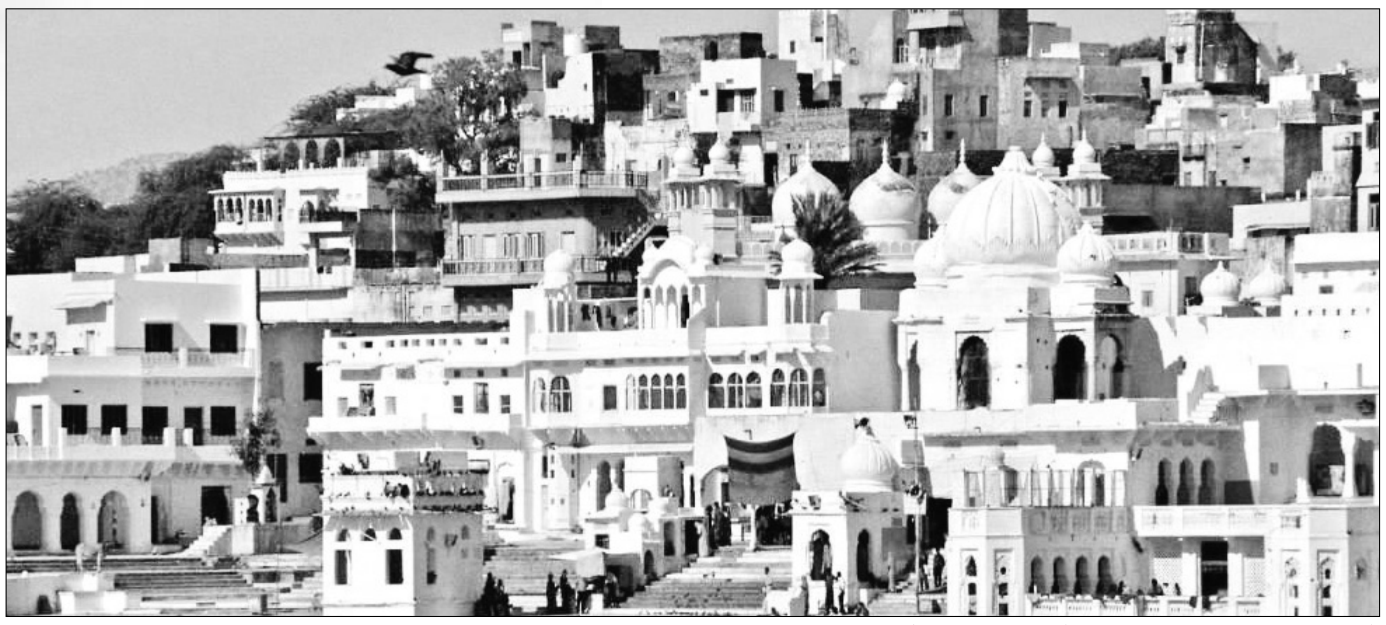

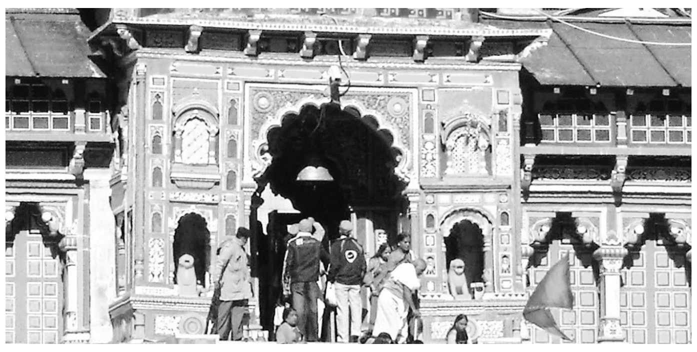

यूं तो हिन्दू धर्म के सैकड़ों तीर्थ स्थल है, लेकिन हम आपको बताना चाहते हैं कि उनमें से भी कुछ ऐसे तीर्थ स्थल हैं जो उन सैंकड़ों में शीर्ष पर है। यहां जाना सचमुच ही तीर्थ स्थल पर जाना माना जाता है। यह पुण्य स्थल है। आओ, जानते हैं कि कौन-कौन से तीर्थ स्थल है।

ब्रह्मा की नगरी पुष्कर

राजस्थान के अजमेर से उत्तर-पश्चिम में करीब 11 किलोमीटर दूर ब्रह्मा की यज्ञस्थली और ऋषियों की तपस्यास्थली तीर्थराज पुष्कर नाग पहाड़ के बीच बसा हुआ है। यहां ब्रह्माजी का विश्व का एक मात्र मंदिर है। मंदिर के पीछे रत्नागिरि पहाड़ पर ब्रह्माजी की प्रथम पत्नी सावित्री का मंदिर है। यज्ञ में शामिल नहीं किए जाने से कुपित होकर सावित्री ने केवल पुष्कर में ब्रह्माजी की पूजा किए जाने का शाप दिया था।

विष्णु की नगरी बद्रीनाथ

हिन्दुओं के चार धामों में से एक बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु का निवास स्थल है। यह भारत के उत्तरांचल राज्य में अलकनंदा नदी के बाएं तट पर नर और नारायण नामक दो पर्वत श्रेणियों के बीच स्थित है। गंगा नदी की मुख्य धारा के किनारे बसा यह तीर्थस्थल हिमालय में समुद्र तल से 3,050 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

कैलाश मानसरोवर

मानसरोवर वह पवित्र जगह है, जिसे शिव का धाम माना जाता है। मानसरोवर के पास स्थित कैलाश पर्वत पर भगवान शिव साक्षात विराजमान हैं। यह धरती का केंद्र है। यह हिन्दुओं के लिए मक्का की तरह है।

काशी विश्वनाथ

उत्तरप्रदेश में गंगा नदी के पश्चिमी तट पर स्थित वाराणसी नगर विश्व के प्राचीनतम शहरों में से एक माना जाता है। इस नगर के हृदय में बसा है भगवान काशी विश्वनाथ का मंदिर जो शिव के प्रमुख ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि जब पृथ्वी का निर्माण हुआ था तब प्रकाश की पहली किरण काशी की धरती पर पड़ी थी। तभी से काशी ज्ञान तथा आध्यात्म का केंद्र माना जाता है।

श्रीराम की अयोध्या

भगवान राम की नगरी अयोध्या हजारों महापुरुषों की कर्मभूमि रही है। यह पवित्रभूमि हिन्दुओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। यहां पर भगवान राम का जन्म हुआ था। यह राम जन्मभूमि है।

कृष्ण की नगरी

हिन्दुओं के लिए मदीना की तरह है मथुरा। श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा के कारागार में हुआ था। मथुरा यमुना नदी के तट पर बसा एक सुंदर शहर है। मथुरा जिला उत्तरप्रदेश की पश्चिमी सीमा पर स्थित है। मथुरा जिले में चार तहसीलें हैं- मांट, छाता, महावन और मथुरा तथा 10 विकास खण्ड हैं- नन्दगांव, छाता, चौमुहां, गोवर्धन, मथुरा, फरह, नौहझील, मांट, राया और बल्देव हैं।